EINGLISH

BONAS®
FENOXANIL 5% + ISOPROTHIOLANE 30% EC
(SYSTEMIC FUNGICIDE)

Read Leaflet Before Use

Fenoxanil 5% + Isoprothiolane 30% EC is a pre-mixtuer systemic fungicide used for the control of leaf blast & neck blast in paddy.

Recommendation Details :

Crop(S)	Common Name of Pest	Dosage/HA.		Dilution in water (litre)	Waiting period between last spray to harvest (in days)	Re-entry after each Application (In Hours)
		A.I. (g)	Formulation (ml)			
Paddy	Leaf blast, Neck blast	Fenoxanil :50 and Isoprothiolane :300	1000	500	20	-

Direction Of Use : use recommended dose. Dilute the formulation in required quantity of water.

Re-entry period: 24 Hours.

Application timings: Should be applied preferably in the morning or evening hours.
Weather conditions: Do not spray during rainy, windy and hot sunny period
Crop stage for application: Seedling to maturity stage.
Frequency including number of sprays: 2-3 foliar sprays depending on disease pressure.
Stages during which fungicide should not be sprayed on crop: Crop maturity to harvesting stage
Application techniques: Foliar spray using high volume sprayers.
Equipment type: Use compression Knapsack sprayer, Foot sprayer, High & low volume sprayer or Batter operated sprayers.
Phytotoxicty : Fenoxanil 5% Isoprothiolane 30% EC is not phytotoxic when used as per recommendations
Nozzle type: Hollow cone nozzle

Precautions : Use protective clothing such as full sleeve shirt ,cap and chemical -resistant hand gloves while mixing and spraying. Wear covered footwear (boots or covered shoes). Wear eye protection such as a face shield, goggles or safety glasses. A void contact with skin or eyes . wash contaminated clothes and body parts after application. A void inhalation, do not smoke, drink, eat & chew anything during application.

Symptoms Of Poisoning : Nervousness, anxiety, tremor, convulsions, allergic manifestations, lethargy, nasal discharge , salivation, dyspnoea , irritation to skin and eye.

First Aid Measures: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by the attending physician. **If inhaled:** Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of skin contact:** Wash thoroughly the affected part of body with soap and plenty of water including hairs and under fingernails.If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately, before use. **In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists. Consult eye specialist.

Antidote: There is no known specific antidote. Hence, symptomatic and supportive therapy should be given.

Disposal of Used Containers: 1. It shall be the duty of manufacturers, formulators of pesticide and operator to dispose packages or surplus materials and washings from the machine and containers shall dispose off in a safe manner so as to prevent environmental & water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3.The Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage: 1. The packages containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending on the quantity and the nature of the fungicide. 2. The store room should be well built, well lit, ventilated and sufficient in dimensions. The condition of the store should be dry and cool.

Chemical Composition:

Fenoxanil a.i. content	: 5.00% w/w
Isoprothiolane a.i. content	: 30.00% w/w
Cyclohexanone	: 18.00% w/w
Epoxidised Soybean oil	: 0.40% w/w
Calcium dodecyl benzene sulfonate	: 3.5% w/w
Ethoxylated propoxylated polyaryl phenol	: 6.5% w/w
Solvent Naptha	: Q.S%
Total	: 100.00% w/w

cautionary statements :1. Not to be used for any purpose other than subscribed on label & leaflets. 2.Destroy container after use as directed on leaflet. 3.the product may be toxicity to fish and aquatic invertebrates and as such may not be used in and around aquaculture and the product is irritant to eyes.

"Precautions Shall be taken to avoid harm to the beneficial insects like honey bees and natural enemies of pests"

HINDI

बोनस
फेनोकसानिल ५%+अईसोप्रोथायोलेन ३०% ई सी
(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

प्रयोग से पहले पर्ची पढ़ ले

फेनोकसानिल ५%+अईसोप्रोथायोलेन ३०% ई.सी. एक पूर्वमिश्रण अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक जिसका प्रयोग धान में नुकसान पहुचाने वेले पत्ती ब्लस्ट और नेक ब्लस्ट की रोकथाम के लिए किया जाता है।

उपयोग :

फसलें	कीट का सामान्य नाम	मात्रा प्रति हेक्टेयर		पानी के साथ घोल (लीटर)	अंतिम छिड़काव से कटनी के बीच प्रतीग की अवधि (दिन)	पुनःप्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स.त. (ग्राम)	सूत्रीकरण (मि.ली.)			
धान	पत्ती ब्लस्ट, नेक ब्लस्ट	फेनाक्सनिलः ५० और अईसोप्रोथायोलेन : ३००	१०००	५००	२०	–

उपयोग के लिए निर्देश : प्रदार्थ की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें। पानी की आवश्यक मात्र जो निर्धारित की गयी हो उसमे पदार्थ अच्छी प्रकार से मिलाए।

पुनः प्रवेश अवधि : २४ घंटे

प्रयोग का समय :
निर्धारण सुबह और शाम के साथ छिड़काव करना ज्यादा बेहतर घंट होता है।
मौसम की सामान्य स्थितिः ।बरसात, तेज़ हवा और तेज़ धूप के दौरान छिड़काव न करें
उपयोग के लिए फसल की प्रास्थितिः अंकुर से परिपक्वता अवस्था तक!
आवृत्ति जिसके अंतर्गत छिड़काव की अधिकतम संख्याः रोग के दबाव के आधार पर 2-3 पर्णीय छिड़काव।
प्रस्थिति जिसके दौरान कीटनाशी किसी फसल पर अनुपयुक्त नहीं होंगे, नहीं दी जाएगी: फसल की परिपक्वता से लेकर कटाई की अवस्था तक!
उपयोग तकनीकः उच्च मात्रा वाले स्प्रेयर का उपयोग करके पर्ण स्प्रे करें।
उपस्कर के प्रकार : कम्प्रेशन नैपसैक स्प्रेयर, कम्प्रेशन नैपसैक उच्च और निम्न मात्रा वाले स्प्रेयर या बैटर चालित स्प्रेयर]
पौध-विषाक्तता : फेनोकसानिल ५%+अईसोप्रोधायोलेन ३०% ई.सी.तब तक पौध विषाक्तत नहीं है, जब तक इसका उपयोग अनुशंसित खुराक पर किया जाता है।
नोज़ल प्रकार : होलो कोन नोज़ल!

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : सुरक्षात्मक कपड़ों का उपोयग करें जैसे सम्पूर्ण शारीर को ढकने वाले कपडे, पूरी बाजू वाला कुरता, टोपी और रसायन प्रतिरोधी दस्तानो घोल बनाते समय एवं स्प्रे करते समय पहने। पैरों को ढकने वाले जूते पहने। आँखों सुरक्षा के लिए नकाब या सुरक्षित चश्मा पहने। त्वचा और आँखों से सम्पर्क टाले। छिड़काव के बाद गंद कपडो और शरीर के खुले हिस्सें को अच्छी तरह पाति से धो लें। स्प्रे के धुएं को श्वास में न लें। छिड़काव के दौरान धूम्रपान न करें, कुछ न पिएं, खाएं या चबाएं।

विष के लक्षण : घबराहट, कंपकपी, उतस्तुकता, ऐठन, अलर्जी के लक्षण, सुस्ती, नाक बहना, लार टपकना, दम फूलना, त्वचा और आँख में जलन।

प्रथमिक चिकित्सा : **१. अगर मुँह से निगल लिया है :** यदि व्यक्ति सचेत और सतर्क है, तो पाति से मुँह कुल्ला कराये और पीने के लिए १ या २ गिलास पानि दें।`क हेहोश व्यक्ति को मुँह से कुछ भी कभी नहीं दे। डाँक्टर को बुलाएं। बिना उपस्तिथ चिकिस्तक की सलाह उलटी न कराये। **२. यदि साँस में लिये जाने पर** : रोगी कोतजि हवा में ले जाए और शारीर के तापमान का ख्याल रखें। यदि रोगी साँस नहीं ले परहा है या कठिनाई से साँस से रहा है, तो कृत्रिम श्वसन दे। एक चिकित्सक से परामर्श करें। **३. त्वचा के संपर्क के मामले में** : शारीर के प्रभावित हिस्से की अच्छी तरह से साबुन से धोए और बालों और नाखूनों सहित पानी का खूब इस्तेमाल करें। यदि दर्द, लालिमा या जलन रहित है, तो डॉक्टर से परामर्श करें। सभी दूषित कपडो को अलग किया जाना चाहिए और उपोयग करने से पहले साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोना चाहिए। **४. आँख के संपर्क के मामले में** : कम से कम १५ मिनिट के लिए बहुत सरे पानी से धीरे–धीरे धोए। यदि दर्द, जनल, लालीमा या फोटोफोबिया बनी रहति है तो नेत्र विशेषज से सलाह लें।

पौधविशक्तता : विषनाशक : कोई विशिष्ट विषहर औषध नहिं है। लक्षण के अनुसार और चिकित्सा के आधार पर इलाज दी जानी चाहिए।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. पैकेजों या बची सामग्रियों और मशीनो व कन्टेंनरों की धोवन का निपटारा सुरक्षित ढंग से करना चाहिये ताकि पर्यावरण व जल प्रदूषण न हो। २. उपयोग किए गए पैकेज बाहर न छोड़े ताकि उनका दोवारा उपयोग न हो। ३. पैकेजों को तोड़ कर आबादी से दूर गाड़ देना चाहिए। ३. पैकेजो को तोड़ कर आबादी से दूर गाड़ देना चाहिए। ४. खाली कंटेनर का दुबारे प्रयोग करना खतरनाक है।

संग्रहण की शर्तें : १. फफूंदीनाशक के भंडारण के हेतू प्रयुक्त कमरें या अहाते सुप्रकाशित, हवादार, सुनिर्मित और खुले होने चाहिये ताकि वाष्प से दूषता टला जा सके। २. फफूंदीनाशक युक्त पैकेज को अन्य बस्तुओं खासकर खादूय पदार्थ रखने के लिए प्रयुक्त कमरों से दूर अलग कमरों में रखना चाहिए या उसे मात्रा और फफूंदीनाशख के स्वरूप के आधार पर अलग अलमारी में तालाबंद रखना चाहिये।

रसायनिक संरचना:

फेनोक्सानिल सक्रिय तत्व	: ५.००% भार/भार
अईसोप्रोथायोलेन सक्रिय तत्व	: ३०.००% भार/भार
सैक्लोहेक्सानान	: १८.००% भार/भार
एपक्सिडैस्ड सोयबीन आयिल	: ०.४०% भार/भार
केल्शियम डोडिसिल बेन्जीन सालफोनेट	: ३.५% भार/भार
एथोक्सिलेटेड प्रोपाक्सीलेटड पालीआरायिल फिनाल	: ६.५% भार/भार
सालवेन्ट नाफता	: पर्याप्त मात्रा%
कुल	: १००.००% भार/भार

सावधानिय कथनः १. लेबल और पर्ची परजो अभिदत्त है, उससे भिन्न अन्य प्रयोजन मे उपयोग के लिए नही। २. पर्ची पर निर्दिष्ट उल्लेक के अनुसारप्रायोग के बाद कंटेनर (डिब्बे) को नष्ट कर दें। ३. यह उत्पाद मछलियों और अकशेरूकी जलीय जीवों के लिए निषाक्त हो सकता है और इस प्राकार के अणुओं वाले उत्पाद को जलीय कृषि में और इसके आसपास उपयोग नहीं करना चाहिए और यह उत्पाद आँखों के लिए जलन है।

"लाभकारी कीड़ों जैसे मधुमक्खियों और प्राकृतिक दुश्मनों को नुकसान से बचाने के लिए बरती जाने बाली सावधानिया"

MARATHI

बोनस
फेनोक्सेनी ५% + आयसोप्रोथियोलेन ३०% ईसी
(अन्तर्प्रवाही बुरशीनाशक)

वापरण्यापुर्वी माहितीपत्रक वाचावे

फेनोक्सेनील ५% + आयसोप्रोथियोलेन ३०% ईसी हे प्री–मिक्श्चर अन्तर्प्रवाही बुरशीनाशक आहे ज्याचा वापर भातातील लीफ ब्लास्ट आणि नीक ब्लास्ट नियंत्रणासाठी केला जातो.

शिफारस तपशील:

पिक(के)	किडीचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर		पाण्यात द्रावण (लि.)	अंतिम फवारणी ते कापणी दरम्यान प्रतीक्षा कालावधी (दिवस)	प्रत्येक फवारणीनंतर पुन्हा फवारणी (तास)
		स. त. (ग्राम)	मिश्रण (ग्राम)			
भात	पानावरील करपा, देठावरील करपा	फेनोक्सेनील:५० आणि आयसोप्रोथियोलेन :३००	१०००	५००	२०	-

वापरण्यासाठी निर्देश: शिफारस केलेली मात्रा घ्यावी. आवश्यक प्रमाणात पाण्यात मिश्रण पातळ करा.

पुन्हा प्रवेश कालावधी: २४ तास.

वापराची वेळ : शक्यतो सकाळी आणि संध्याकाळी फवारावे.
हवामान परिस्थिती : पावसाळी, वादळी आणि कडक उन्हात फवारणी करू नका!
फवारणीसाठी पिकाची अवस्था : बीपासून नुकतेच तयार झालेले रोप.
फवारणीच्या कमाल संख्येसह वारंवारिता: रोगाच्या प्रभावानुसार २-३ फवारण्या.
कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशकाचा वापर करू नये असे टप्पे: पीक परिपक्वता ते काढणी अवस्थेत
वापराचे तंत्र: उच्च व्हॉल्यूम स्प्रेअर वापरून पर्णासंबंधी स्प्रे.
उपकरणाचा प्रकार: कॉम्प्रेशन नॅपसॅक फवारणीयंत्र (स्प्रेअर्स), कॉम्प्रेशन नॅपस बॅटरी फवारणीयंत्र.
वनस्पतीसाठी विषकारकता: फेनोकसानिल ५%+अईसोप्रोधायोलेन ३०% ई.सी शिफारस केलेल्या मात्रीमध्ये वापरल्यास जी वनस्पतींना विषकारक नाही
उप नोझलचा प्रकार: हॉलो कोन नोझल्स.

खबरदारी: मिश्रण आणि फवारणी करताना संरक्षक कपडे वापरा जसे की लांब बाहीचा शर्ट, टोपी आणि रासायनिक प्रतिरोधक हातमोजे. झाकलेली पादत्राणे बूट किंवा झाकलेले शूज घाला). डोळ्यांचे संरक्षण जसे की फेस शील्ड, गॉगल किंवा सुरक्षा चष्मा घाला.त्वचा आणि डोळ्यांसोबत संपर्क टाळा. वापरल्यानंतर दूषित कपडे आणि शरीराचे भाग धुवा. हुंगणे टाळा. वापर करताना काही खाऊ, पिऊ आणि चघळू नका.

विषबाधेची लक्षणे: अस्वस्थता, चिंता, कंप, आचके, आणि ऍलर्जी होऊ शकते, आळस, अनुनासिक स्त्राव, लाळ सुटणे, डिस्पनिया, त्वचा आणि डोळ्यांना खाज येऊ शकते.

प्रथमोपचार: पोटात गेल्यास: जर एखादी व्यक्ती जागरूक आणि सतर्क असेल, तर तोंड पाण्याने स्वच्छ धुवा आणि १ किंवा २ ग्लास पाणी पिण्यासाठी द्या, बेशुद्ध व्यक्तीला तोंडाने काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. उपस्थित डॉक्टरांच्या इच्छेशिवाय आणि तोपर्यंत उलट्या होऊ देऊ नका. हुंगल्यास: रुग्णाला मोकळ्या हवेत घेऊन जा आणि शरीराच्या तापमानाची काळजी घ्या. जर रुग्णाला श्वास घेता येत नसेल किंवा श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वासोच्छ्वास शक्यतो तोंडी श्वासोच्छवास द्या. डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. त्वचेशी संपर्क झाल्यास: साबणाने आणि भरपूर पाण्याने धुवा. वेदना, लालसरपणा किंवा खाज कायम राहिल्यास, डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपडे वेगळे केले पाहिजेत आणि वापरण्यापूर्वी साबण आणि पाण्याने पूर्णपणे धुवावेत. डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास: कमीतकमी १५ मिनिटे भरपूर पाण्याने हलक्या हाताने स्वच्छ धुवा. वेदना चिडचिड, लालसरपणा किंवा प्रकाशाचा त्रास कायम राहिल्यास नेत्र तज्ज्ञांचा सल्ला घ्या.

प्रतिउपाय: कोणताही विशिष्ट प्रतिउपाय ज्ञात नाही. म्हणून, लक्षणात्मक आणि सहाय्यक उपचार दिले पाहिजेत.

वापरलेल्या कंटेनरची विल्हेवाट : १. किटकनाशकाचे निर्माते, फॉर्म्युलेटर्स आणि ऑपरेटर्स यांचे कर्त्तव्य आहे की पाकिटे किंवा शिल्लक साहित्य आणि धुवणाचे पाणी सुरक्षित पद्धतीने नष्ट करावे जेणेकरुन पर्यावरण आणि पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही. २. वापरलेली पाकिटे उघड्यावर टाकू नयेत म्हणजे त्यांचा पुनर्वापर होणार नाही. ३. पाकिटे तोडावीत आणि वस्तीपासून दूर पुरावीत.

साठवणीच्या अटी: १. किटकनाशक असलेली पाकिटे स्वतंत्र खोल्या किंवा इमारतींमध्ये अन्य वस्तू विशेषतः अन्नपदार्थ असलेल्या खोल्या किंवा इमारतींपासून दूर साठवावीत किंवा किटकनाशकाचे प्रमाण आणि स्वरुप यांच्यानुसार स्वतंत्र कपाटांमध्ये कुलूपबंद अवस्थेत ठेवावीत. २. किटकनाशक साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या चांगल्या बांधलेल्या, प्रकाशमय आणि हवेशीर आणि पुरेशा आकारमानाच्या असाव्यात वाफेसोबत प्रदूषण टाळण्यासाठी.

रासायनिक संरचनाः

फेनोक्सेनील स.त. प्रमाण	: ५.००% व/व
आयसोप्रोथियोलेन स.त. प्रमाण	: ३०.००% व/व
सायक्लोहेक्झानोन	: १८.००% व/व
इपोक्सीडाईज्ड सोयाबीन ऑईल	: ०.४०% व/व
कॅल्शियम डोडेसिल बेन्झीन सल्फोनेट,	: ३.५% व/व
इथोक्सीलेटेड प्रोपोक्सिलेटेड पॉलिअरिल फिनॉल	: ६.५% व/व
सॉल्वंट नॅप्था	: क्यूएस%
एकूण	: १००.००% व/व

खबरदारीचे विधानः १. लेबल आणि पुस्तिकेवर उल्लेख नसलेल्या पिकांवर आणि किडींवर याचा वापर करु नये. २. पुस्तिकेवर सांगितल्यानुसार वापरानंतर कंटेनर नष्ट करावा. ३. हे उत्पादन मासे आणि जलचर अपृष्ठवंशी प्राण्यांसाठी विषारी असू शकते आणि त्यामुळे ते मत्स्यपालनात आणि आसपास वापरले जाऊ शकत नाही आणि उत्पादन डोळ्यांना त्रासदायक आहे.

"मधमाशा आणि नैसर्गिक शत्रूसारख्या लाभदायक कीटकांना हानी पोहोचू नये म्हणून घ्यावयाची"

GUJARATHI

બોનોસ
ફેનોક્સેનીલ 5% + આઈસોપ્રોથિલેન 30% ઈસી
(પ્રણાલીગત ફૂગનાશક)

ઉપયોગ પૂર્વે પત્રક વાંચો

ફેનોક્સેનીલ ૫% + આઈસોપ્રોથિલેન ૩૦% ઈસી પ્રી–મિક્ષર પ્રણાલીગત ફૂગનાશક છે જે ડાંગરમાં પાંદડા અને દાંડી પર થતા ટપકાંના રોગને નિયંત્રણમાં લેવા માટે ઉપયોગમાં લેવાય છે.

ભલામણ વિગતો:

પાક(કો)	કીટકનું સામાન્ય નામ	ડોઝેજ/હેક્ટર		પાણીમાં પાતળું કરવું (લિટર)	છેલ્લા છંટકાવથી લણણી વચ્ચેનો પ્રતિક્ષાગાળો (દિવસમાં)	દરેક વપરાશ બાદ પુનઃપ્રવેશ (કલાકમાં)
		એ.આઈ. (ગ્રામ)	સંયોજન (ગ્રામ)			
ડાંગર	લીફ બ્લાસ્ટ, નેક બ્લાસ્ટ	ફેનોક્સેની :૫૦ અને આઈસોપ્રોથિલેન :300	૧૦૦૦	૫૦૦	૨૦	–

ઉપયોગનો નિર્દેશ: ભલામણ કરવામાં આવેલ માત્રાનો જ ઉપયોગ કરો. પાણીની આવશ્યક માત્રામાં સંચરનાને પાતળું કરો.

પુનઃપ્રવેશનો સમયગાળો: ૨૪ કલાક.

છંટકાવનો સમયા: સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાને પ્રાધાન્ય આપવું જોઈએ.
હવામાનની પરિસ્થિતિઓ: તરફેણકારી ના હોય એવી પરિસ્થિતિઓ દરમિયાન ઉપયોગ ના કરવો જોઈ
ઉપયોગ માટે પાકનો તબક્કો:પરિપક્વતા અવસ્થા સુધી બીજ.
છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સાથે સાતત્યતા: રોગના દબાણને આધારે ૨-૩ સાતત્યતા.
એ તબક્કો જે દરમિયાન કોઈપણ પાક પર જંતુનાશકનો ઉપયોગ ના કરવો જોઈએ:લણણીના તબક્કામાં પરિપક્વતા
ઉપયોગની પદ્ધતિઓ: પાંદડાં પર છંટકાવ ઉચ્ચ વોલ્યુમ સ્પ્રેયર્સ.
સાધનનો પ્રકાર: કૉમ્પ્રેશન નૅપસેક સ્પ્રેયર, કૉમ્પ્રેશન નૅપસેક ઉચ્ચ અને નિમ્ન વોલ્યુમ સ્પ્રેયરબૅટરી સ્પ્રેયર.
ફાયટોટોસિસિટી: .ફેનોક્સેનીલ ૫% + આઇસોપ્રોથિલેન ૩૦% ઈસી ભલામણો મુજબ ઉપયોગ કરવામાં આવે ત્યારે તે ફાયટોટોક્સિક નથી
નોઝલનો પ્રકાર: હોલો કોન નોઝલનો

સાવધાની: મિશ્રણ અને છંટકાવ કરતી વખતે આખી બાંયનો શર્ટ, ટોપી અને રસાયણ પ્રતિરોધક હાથના મોજા જેવા રક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા. આખા પગ ઢંકાઈ જાય તેવા બૂટ પહેરવા (આવરિત બૂટ અથવા શૂઝ). ફેસ શિલ્ડ, ગોગ્લ્સ અથવા સેફ્ટી ગ્લાસ જેવી આંખોના રક્ષણની ચીજો પહેરવી.ત્વચા અને આંખોના સંસર્ગમાં આવતું ટાળો. છંટકાવ કર્યા બાદ દુષિત થયેલા કપડાંઅને શરીરના અંગોને સારી રીતે ધોઈ નાંખો. શ્વાસમાં જતું અટકાવો. છંટકાવ કરતી વખતે કંઈપણ ખાશો, પીશો, ચાવશો કે ધૂમ્રપાન કરશો નહીં.

ઝેર ચઢ્યાંનાં લક્ષણો: ગભરાટ, અસ્વસ્થતા, ધ્રુજારી, આંચકી, એલર્જી સંબંધિત અસરો, સુસ્તી, અનુનાસિક સ્રાવ, લાળ, ડિસ્પનિયા, ત્વચા અને આંખોમાં બળતરા થઈ શકે છે.

પ્રાથમિક ઉપચારના પગલાં: જો ગળા નીચે ઉતરી જાય તો: જો ગળા નીચે ઉતરી જાય તો: જો વ્યક્તિ સભાન અવસ્થામાં હોય અને સજાગ હોય તો, પાણીથી બરાબર મોં ધોઈ નાંખો અને ૧ અથવા ૨ ગ્લાસ પાણી પીવા માટે આપો. બેભાન વ્યક્તિને મોં વાટે કોઈ વસ્તુ આપશો નહીં. ડોક્ટરને કોલ કરો, સારવાર કરી રહેલા ફિઝિશિયન દ્વારા કહેવામાં ના આવે ત્યાં સુધી દર્દીને ઉલટી કરાવશો નહીં. જો શ્વાસમાં લેવાય તો: દર્દીને ખુલ્લી હવામાં લઈ જાઓ અને તેમના શરીરના તાપમાનની સંભાળ રાખો. જો દર્દી શ્વાસ ના લેતા હોય અથવા શ્વાસ લેવામાં મુશ્કેલી પડતી હોય તો, કૃત્રિમ શ્વાસ આપો, મોં દ્વારા શ્વાસ આપવાનું યોગ્ય રહેશે. ફિઝિશિયનની સલાહ લો. જો ત્વચાના સંપર્કમાં આવે તો: શરીરના અસરગ્રસ્ત ભાગને સાબુ અને પુષ્કળ પાણી સાથે ધુઓ. વાળ અને નખની નીચે સારી રીતે ધોઈ લો. જો પીડા લાલાશ અથવા બળતરા ચાલુ રહે છે તો ડોક્ટરની સલાહ લો. બધા દૂષિત કપડા અલગ–અલગ કરવા જોઈએ અને ઉપયોગ કરતા પહેલા સાબુ અને પાણીથી સંપૂર્ણપણે ધોવા જોઈએ. જો આંખોના સંપર્કમાં આવે તો: વિપુલ પ્રમાણમાં પાણીથી ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ સુધી હળવેથી સાફ કરો. જો પીડા થાય, બળતરા થાય, લાલાશ આવે અને આંખોમાં અતિ પ્રકાશ આવતો હોય તેવું સતત લાગે તો, આંખોના નિષ્ણાતની સલાહ લો.

એન્ટિડોટ: કોઈ એન્ટિડોટ જાણીતો નથી. આથી, લક્ષણો મુજબ અને સહાયક સારવાર કરવી.

ઉપયોગ કરાયેલા કન્ટેઈનરનો નિકાલ: ૧. ઉપયોગ કરાયેલા ખાલી કન્ટેઈનર્સને તોડીને માનવ વસવાટથી દૂર જમીનમાં ખાડો કરીને દાટી દેવું. ૨. ઉપયોગ કરાયેલા પેકેજને બહાર છોડી દેવું નહીં અથવા તો તેનો ફરી ઉપયોગ કરવો નહીં. ૩. પેકેજ અથવા તો બચેલી સામગ્રી અને મશીનમાં તેના વોશિંગ અને કન્ટેઈનરનો સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણ અને જળ પ્રદૂષણને નિવારી શકાય.

સંગ્રહની શરતો : ૧) પેકેજીસ કે જેમાં આ સામગ્રી હોય તેને અલગ ઓરડામાં અથવા તો અન્ય સામગ્રીનો સંગ્રહ કરવા માટે ઉપયોગમાં લેવાતા ઓરડા કે સંકુલથી દૂર સંગ્રહિત કરાવું જોઈએ અથવા તો સામગ્રીના પ્રકાર અને જથ્થાના આધારે તેને અલગ અલ્મારીમાં તાળા અને ચાવી હેઠળ રાખવી જોઈએ. ૨) આ સામગ્રીનો સંગ્રહ કરવા માટે ઉપયોગમાં લેવાનારા સંકુલ અથવા ઓરડા સુવ્યવસ્થિત બંધાયેલા, સૂકા, હવાઉજાસવાળા, બરાબર પ્રકાશવાળા અને પૂરતા પરિમાણમાં હોવા જોઈએ જેથી પાણીની વરાળ સાથે તેના ઝેરીમિશ્રણને અટકાવી શકાય વરાળની ઝેરી અસરને ટાળવી.

રસાયણિક બંધારણ:

ફેનોક્સેનીલ સક્રિય તત્વ સામગ્રી	: ૫.૦૦% ભાર/ભાર
આઈસોપ્રોથિલેન સક્રિય તત્વ સામગ્રી	: 30.00% ભાર/ભાર
સાયક્લોહેક્ઝાનન	: ૧૮.૦૦% ભાર/ભાર
એક્સપોઝિડાઈઝ્ડ સોયાબિન ઓઈલ	: ૦.૪૦% ભાર/ભાર
કેલ્શિયમ ડોડેસાઈલ બેન્ઝેન સલ્ફોનેટ	: ૩.૫% ભાર/ભાર
ઈથોક્સિલેટેડ પ્રોપોક્સીલેટેડ પોલિઅરિલ ફિનોલ	: ૬.૫% ભાર/ભાર
સોલ્વન્ટ નેપ્થા	: ક્યૂએસ%
કુલ	: ૧૦૦.૦૦% ભાર/ભાર

ચેતવણી સંબંધિત નિવેદનઃ ૧. આ લેબલ/ચોપાનિયાં પર નિર્ધારિત કરાયા સિવાયના પાકો પર ઉપયોગ કરવો નહીં. ૨. વપરાશ પછીથી લીફલેટમાં સૂચવ્યા મુજબ ટ્યુબ નષ્ટકરી દો. ૩. આ ઉત્પાદન માછલીઓ અને જળચર અપૃષ્ઠવંશીઓ માટે ઝેરી હોઈ શકે છે અને તેનો ઉપયોગ જળચર જીવોના સંવર્ધનના સ્થળની આસપાસ ન કરવો જોઈએ તેમજ તેનાથી આંખોમાં બળતરા થઇ શકે છે.

"મધમાખી અને કુદરતી શત્રુઓ જેવી લાભકારક જીવાતને હાનિ થતી ટાળવા માટે તકેદારીઓનું પાલન કરવું."

PUNJABI

ਬੋਨੋਸ
ਫੇਨੋਕਸਾਨਿਲ 5% + ਆਇਸੋਪ੍ਰੋਥਿਓਲੇਨ 30% ਈ ਸੀ
(ਸੰਪੂਰਣ ਉੱਲੀਮਾਰ ਦਵਾਈ)

ਉਪਯੋਗ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੁਸਤਿਕਾ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ

ਫੇਨੋਕਸਾਨਿਲ 5% + ਆਇਸੋਪ੍ਰੋਥਿਓਲੇਨ 30% ਈਸੀ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਲੀਫ ਬਲਾਸਟ ਅਤੇ ਨੈਕ ਬਲਾਸਟ ਦੇ ਕੰਟਰੋਲ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਮਿਸ਼ਰਤ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ।

ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ :

ਫਸਲ(ਲਾਂ)	ਕੀੜੇ ਦਾ ਆਮ ਨਾਮ	ਖੁਰਾਕ/ਐਚਏ		ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੋਲੇ ਜਾਣ ਯੋਗ (ਲੀਟਰ)	ਅੰਤਮ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਵਾਢੀ ਦਰਮਿਆਨ ਉਡੀਕ ਦਾ ਸਮ: (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)	ਹਰੇਕ ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੁੜ-ਦਾਖਲਾ (ਘੰਟਿਆਂ ਵਿੱਚ)
		ਏਅ.ਈ. (ਗ੍ਰਾਮ)	ਸੂਤਰੀਕਰਨ (ਗ੍ਰਾਮ)			
ਝੋਨਾ	ਲੀਫ ਬਲਾਸਟ ਅਤੇ ਨੈਕ ਬਲਾਸਟ	ਫੇਨੋਕਸਾਨਿਲ: 50 ਅਤੇ ਆਇਸੋਪ੍ਰੋਥਿਓਲੇਨ: 300	1000	500	20	-

ਪ੍ਰਯੋਗ ਦਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਨ : ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਮਾਤਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ। ਫਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਪਤਲਾ ਕਰੋ।

ਮੁੜ-ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਅਵਧੀ : 24 ਘੰਟੇ।

ਪ੍ਰਯੋਗ ਦਾ ਵਕਤ :
ਮੌਸਮ ਦੀਆਂ ਹਾਲਤਾਂਯ : ਤਰਜੀਹੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਵੇਰੇ ਜਾਂ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
ਮੌਸਮ ਦੀਆਂ ਹਾਲਤਾਂਯ:ਬਰਸਾਤ, ਹਨੇਰੀ ਅਤੇ ਗਰਮ ਧੁੱਪ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੌਰਾਨ ਛਿੜਕਾਅ ਨਾ ਕਰੋ
ਵਰਤਣ ਲਈ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਅਵਸਥਾ: ਵਨਸਪਤਿਕ ਤੋਂ ਪ੍ਰਜਣਨਕ ਅਵਸਥਾ।
ਛਿੜਕਾਅ ਦੀ ਅਧਿਕਤਮ ਸੰਖਿਆ ਜਿਸਦੇ ਵਿੱਚ ਵਾਰਵਰਤਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ: ਬੀਮਾਰੀ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ੨-੩ ਛਿੜਕਾਅ
ਪਰਿਸਥਿਤੀਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਵੀ ਫਸਲ ਤੇ ਵਫ਼ੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹਿਦਾ ਹੈ।: ਵਾਢੀ ਦੇ ਪੜਾਅ ਤੱਕ ਪਰਿਪੱਕਤਾ
ਵਰਤਣ ਦੀ ਤਕਨੀਕ : ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ।
ਉਪਕਰਨ ਪ੍ਰਕਾਰ : ਕੰਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਕੰਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੈਪਸੈਕ ਉੱਚ ਅਤੇ ਘੱਟ ਵਾਲੀਅਮ ਸਪਰੇਅਰ ਜਬੈਟਰੀ ਸਪ੍ਰੇਅਰ।
ਪੌਦਜ਼ਹਿਰੀਲਾਪਣ : ਫੇਨੋਕਸਾਨਿਲ 5% + ਆਇਸੋਪ੍ਰੋਥਿਓਲੇਨ 30% ਈਸੀ ਪੌਦਿਆਂ ਲਈ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਦੋਂ ਸਿਫਾਰਸ ਕੀਤੀ ਮਾਤਰਾ 'ਤੇ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।।
ਨੋਜ਼ਲ ਦੀ ਕਿਸਮ: ਹਾਲੋ ਕੋਂਨ ਨੋਜ਼ਲ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ਮਿਸ਼ਰਣ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੌਰਾਨ ਪੂਰੀਆਂ ਬਾਂਹਾਂ ਵਾਲੀ ਕਮੀਜ਼, ਟੋਪੀ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣ ਰੋਧੀ ਦਸਤਾਨਿਆਂ ਵਰਗੇ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਕਪੜੇ ਪਹਿਨੋ।ਬੰਦ ਬੂਟ ਜਾਂ ਬੰਦ ਜੁੱਤੇ ਪਾਓ)। ਅੱਖਾਂ ਲਈ ਚਿਹਰੇ ਦੀ ਸ਼ੀਲਡ, ਧੁੱਪ ਵਾਲੀ ਐਨਕ ਜਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਐਨਕਾਂ ਵਰਗੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪਹਿਨੋ। ਚਮੜੀ ਜਾਂ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਪ੍ਰਯੋਗ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮਲੀਨ ਹੋਏ ਕਪੜਿਆਂ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਹਿੱਸਿਆਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਲਵੋ। ਸਾਹ ਨਾਲ ਅੰਦਰ ਜਾਣ ਦਾ ਪਰਹੇਜ਼ ਕਰੋ। ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਰਨ ਦੌਰਾਨ ਧੂਮਰ ਪਾਨ ਨਾਂ ਕਰੋ, ਕਈ ਚੀਜ਼ ਨਾਂ ਪੀਓ, ਨਾਂ ਖਾਓ ਅਤੇ ਕੋਈ ਨਾਂ ਚਬਾਓ।

ਜ਼ਹਿਰ ਫੈਲਣ ਦੇ ਲੱਛਣ : ਘਬਰਾਹਟ, ਚਿੰਤਾ, ਝਟਕੇ, ਕੜਵੱਲ, ਐਲਰਜੀ, ਸੁਸਤੀ, ਨੱਕ ਵਹਿਣਾ, ਲਾਰ, ਸਾਹ ਚੜ੍ਹਨਾ, ਚਮੜੀ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਰਸ਼।

ਆਰੰਭਕ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ: ਜੇ ਨਿਗਲ ਲਿਆ ਹੈ : ਜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਹੈ ਅਤੇ ਸਚੇਤ ਹੈ, ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਮੂੰਹ ਧੋਵੋ ਅਤੇ ਪੀਣ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦੇ 1 ਜਾਂ 2 ਗਲਾਸ ਦਿਓ। ਕਿਸੇ ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ, ਜਦੋਂ ਤਕ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਚਾਹੇ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਾਓ। ਜੇ ਸੁੰਘਿਆ ਗਿਆ ਹੈ : ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਖੁੱਲ੍ਹੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦਿਓ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਲੈ ਰਿਹਾ ਜਾਂ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਦਿੱਕਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਬਣਾਉਟੀ ਸਾਹ ਦਿਓ, ਤਰਜੀਹੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਚਮੜੀ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ : ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਖਾਰਿਸ਼ ਬਣੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਅਲਗ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੱਖਰੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ : ਘੱਟੋ ਘੱਟ 15 ਮਿੰਟ ਲਈ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਖਾਰਿਸ਼, ਲਾਲੀ ਅਤੇ ਫੋਟੋਫੋਬੀਆ ਬਣਿਆ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ, ਤਾਂ ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਮਾਹਿਰ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।

ਇਲਾਜ : ਕੋਈ ਖ਼ਾਸ ਇਲਾਜ ਨਹੀਂ। ਲੱਛਣਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ – 1) ਖਾਲੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਤੋੜਿਆ ਜਾਏ ਗਾ ਅਤੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਦੱਬਿਆ ਜਾਏਗਾ। 2) ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਡੱਬਿਆਂ ਜਾਂ ਪੈਕੇਜ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਜਾਏਗਾ। 3) ਪੈਕੇਜ ਜਾਂ ਫਾਲਤੂ ਸਮੱਗਰੀ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸਾਮਾਨ ਦਾ ਬੜੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ। ਤਾਕਿ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕੇ।

ਸਟੋਰੇਜ ਦੀਆਂ ਪਰਿਥਿਤੀਆਂ – 1) ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਵਾਲੇ ਪੈਕੇਜ ਨੂੰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਵਿਚ ਸਟੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਜਾਂ ਜਗਾਹ ਅਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਾ ਵਾਲੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਸਤਾਂ ਵਾਲੇ ਕਮਰਿਆਂ ਤੋ ਦੂਰ ਜਾਂ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਅਨੁਸਾਰ ਚਾਬੀ ਤਾਲਾ ਤਹਿਤ ਵੱਖਰੀਆਂ ਅਲਮਾਰੀਆਂ ਵਿਚ ਸਟੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ। 2) ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਅੱਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਣੇ ਹੋਣ, ਖ਼ੁਸ਼ਕ, ਰੌਸ਼ਨਦਾਰ, ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਪ੍ਰਯਾਪਤ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਕਾਰ ਵਿਚ ਬਣੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਵਾਸ਼ਪੀਆਂ ਨਾਲ ਮਲੀਨਤਾ ਤੋਂ ਪਰਹੇਜ਼

ਰਸਾਇਣਿਕ ਸੰਰਚਨਾ :

ਫੇਨੋਕਸਾਨਿਲ ਏ.ਆਈ. ਸਮੱਗਰੀ	: 5.00% ਭਾ/ਭਾ
ਆਇਸੋਪ੍ਰੋਥਿਓਲੇਨ ਏ.ਆਈ. ਸਮੱਗਰੀ	:30.00% ਭਾ/ਭਾ
ਸਾਇਕਲੋਹੈਕਸਾਨੋਨ	: 18.00% ਭਾ/ਭਾ
ਇਪੋਕਸੀਡਾਇਜ਼ਡ ਸੋਇਆਬੀਨ ਤੇਲ	: 0.40% ਭਾ/ਭਾ
ਕੈਲਸ਼ਿਅਮ ਡੋਡੇਸਾਇਲ ਬੈਂਜੀਨ ਸਲਫੋਨੇਟ	: 3.5% ਭਾ/ਭਾ
ਇਥੋਕਸੀਲੇਟਿਡ ਪ੍ਰੋਪੋਕਸੀਲੇਟਿਡ ਪੋਲੀਆਰਿਲ ਫਿਨੋਲ	: 6.5% ਭਾ/ਭਾ
ਸੌਲਵੈਂਟ ਨੈਫਥਾਲੀਨ	: ਕਿਉ.ਐਸ.%
ਕੁੱਲ	: 100.00% ਭਾ/ਭਾ

ਸਾਵਧਾਨੀ ਦੇ ਬਿਆਨ : 1. ਇਸ ਲੇਬਲ/ਪਰਚੀ ਵਿੱਚ ਦੱਸੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਫਸਲਾਂ ਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ। 2. ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਡੱਬੇ ਨੂੰ ਪਰਚੇ 'ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ। 3. ਇਹ ਉਤਪਾਦ ਮੱਛੀਆਂ ਅਤੇ ਜਲ ਜੀਵਾਂ ਲਈ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਇਸਦੀ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਜਲ ਜੀਵਨ ਦੇ ਆਲੇ ਦੁਆਲੇ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਉਤਪਾਦ ਅੱਖਾਂ ਲਈ ਖਾਰਸ਼ ਦੇਣ ਵਾਲਾ ਹੈ।

"ਮਧੁਮੱਖੀਆਂ ਅਤੇ ਕੁਦਰਤੀ ਦੁਸ਼ਮਣਾਂ ਵਰਗੇ ਲਾਹੇਵੰਦ ਕੀਟਾਂ ਨੂੰ ਨਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਇਹਤਿਆਤ ਵਰਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।"

BENGALI

বনোস
ফেনক্সানিল 5% + আইসোপ্রোপাইল 30% ই সি
(প্রণালীগত ছত্রাকনাশক)

ব্যবহারের আগে লিফলেট পড়ুন

ফেনক্সানিল 5% + আইসোপ্রোপাইল 30% ইসি একটি আগে থেকে মিশ্রিত প্রনালীগত ছত্রাকনাশক যা ধানচাষের পাতা ঝলসা রোগ ও ঘাড় ঝলসা রোগ নিয়ন্ত্রণ করার জন্য ব্যবহৃত হয়।

বিশদ পরামর্শ:

ফসল	কীটপতঙ্গের সাধারণ নাম	মাত্রা/হেক্টর		জলে দ্রাব্যতা (লিটার)	শেষতম স্প্রে ও প্রতীক্ষাকালের মধ্যবর্তী প্রতীক্ষাকাল (দিন হিসাবে)	প্রতিবার প্রয়োগের পর পুনরায় আবির্ভাব (ঘন্টা হিসাবে)
		সক্রিয় উপাদান (গ্রাম)	প্রস্তুতি (গ্রাম)			
ধান	লিফ ব্লাস্ট, নেক ব্লাস্ট	ফেনক্সানিল :50 এবং আইসোপ্রোপাইল :300	1000	500	20	-

ব্যবহারের নির্দেশিকা: সুপারিশ অনুযায়ী মাত্রায় ব্যবহার করুনা প্রস্তুতিটিকে প্রয়োজনীয় পরিমান জলের সাথে মেশাতে হবে।

পুনরাবির্ভাব সময়সীমা: 24 ঘঃটা।

প্রয়োগের সময়: সকালে ও বিকেলে অগ্রাধিকার ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে।
সাধারন ভাবে আবহাওয়া পরিস্থিতি:বৃষ্টি, ঝোড়ো হাওয়া এবং গরম রোদের সময় স্প্রে করবেন না
প্রয়োগ কৌশল: পাতায় ছেটানো।
স্প্রে করার সর্বাধিক বার সমেত বারংবারতা: রোগের চাপের ওপর নির্ভর ক'রে ২-৩ বার স্প্রে।
যে পর্যায়গুলো চলাকালীন কোনও ফসলের ওপর ছত্রাকনাশক প্রয়োগিত হবেই না: ফসল কাটার পর্যায়ে পরিপক্কতা
প্রয়োগ কৌশল: পাতায় ছেটানো উচ্চ ভলিউম স্প্রেয়ার ব্যবহার করে।
সরঞ্জামের প্রকার: কম্প্রেশন ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার, কম্প্রেশন ন্যাপস্যাক ব্যাটারী প্রেয়ার।
ওঠার পক্ষে প্রতিকূল বিষক্রিয়া: ফেনক্সানিল 5% + আইসোপ্রোপাইল 30% ইসি সুপারিশকৃত মাত্রায় ব্যাবহার করা হলে বেড়ে ওঠার পক্ষে প্রতিকূল বিষক্রিয়া ঘটায় না।
নজলের প্রকৃতি: ফাঁপা আকৃতির নজল।

সতর্কতা: মেশানো ও স্প্রে করার সময় সুরক্ষাদায়ী পোশাক ব্যবহার করুন যেমন, পুরো হাতা শার্ট, টুপি এবং রাসায়নিক নিরোধক দস্তানা ব্যবহার করুন। বুট অথবা পা ঠাকা জুতো ব্যবহার করুন। চোখের সুরক্ষাদায়ী ব্যবস্থা গ্রহণ করুন, ফেস শিল্ড, গগলস অথবা সেফটি গ্লাস ব্যবহার করুন। চামড়া ও চোখের সাথে সংস্পর্শ ঘটতে দেবেন না। জামাকাপড়ে বা শরীরের বিভিন্ন অংশে লেগে গেলে সেগুলি ভালোভাবে কেচে ও ধুয়ে ফেলুন। কীটনাশক স্প্রে করার সময় কিছু খাবেন না, পানীয় গ্রহন করবেন না, কিছু চিবাবেন না অথবা ধূমপান করবেন না।

বিষক্রিয়ার উপসর্গ: শায়ুর দুর্বলতা, উৎকন্ঠা, পেশীর শায়ুর দুর্বলতা, কাঁপুনি, খিঁচুনি এবং অ্যালার্জি হতে পারে, আলস্য, নাক দিয়ে ধারাপাত, লালাক্ষরণ, শ্বাসকষ্ট, চামড়া ও চোখে জ্বালাভাব দেখা দিতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : পেটে চলে গিয়ে থাকলে: সেই ব্যক্তি যদি সজ্ঞান অ সতর্ক থাকেন, তাহলে জল দিয়ে মুখ ধুয়ে দিতে হবে এবং তাকে 1-2 গ্লাস জল পান করতে দিতে হবে। অজ্ঞান ব্যক্তিকে কখনো কিছু মুখ দিয়ে খাওয়াবার চেষ্টা করবেন না। চিকিৎসককে ডাকুন। যে চিকিৎসক দেখছেন, তাঁর নির্দেশ ছাড়া বমি করাতে যাবেন না। যদি ঘ্রাণের সাথে শরীরে যায়: রোগীকে তাজা হাওয়ায় নিয়ে যান এবং শরীরের তাপমাত্রা খুব কমে না যায় সেদিকে লক্ষ্য রাখুন। যদি রোগীর শ্বাস না পড়ে বা শ্বাস নিতে কষ্ট হয় তাহলে কৃত্রিমভাবে শ্বাসপ্রশ্বাস চালু রাখুন, মুখে মুখ লাগিয়ে শ্বাস চালু রাখতে পারলে ভালো হয়। চিকিৎসকের পরামর্শ নিন। চামড়ার সংস্পর্শ হলে : শরীরের যে সব জায়গায় লেগে গিয়েছে সে সব জায়গা, চুল ও নখের তলার অংশ সাবান ও প্রচুর পরিমান জল দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। যদি ব্যাথা, লালভাব বা জ্বালা থেকে যায় তাহলে একজন চিকিৎসকের পরামর্শ নিন। সমস্ত অপরিচ্ছন্ন জামাকাপড় ছেড়ে ফেলে আবার ব্যবহারের আগে খুব ভালো করে সাবান ও জল সহযোগে ধুয়ে ফেলতে হবে। চোখের সংস্পর্শ হলে : অন্তত: 15 মিনিট ধরে চোখে প্রচুর জলের ঝাপটা দিন। যদি তখনো চোখে যন্ত্রণা থেকে যায় এবং আলোয্য তাকাতে কষ্ট হয়, তাহলে একজন চোখের বিশেষজ্ঞকে দেখান।

প্রতিষেধক : নির্দিষ্ট কোন প্রতিষেধক নেই। তাই, উপসর্গ নির্ভর ও সহায়ক চিকিৎসা দেওয়া উচিত।

ব্যবহৃত ধারকপাত্রগুলির সুষ্ঠু বন্দোবস্ত: 1) খালি ধারকপাত্রগুলিকে ভেঙে ফেলে লোকালয় থেকে দূরে কোথাও পুঁতে ফেলতে হবে। 2) পুনরায় ব্যবহার রোধ করার জন্য ব্যবহৃত কীটনাশকের ধারকপাত্রগুলিকে বাইরে ফেলে রাখা যাবে না। 3) কীটনাশক প্যাকেট ধোয়া জল বা অতিরিক্ত দ্রব্যগুলিকে নিরাপদ উপায়ে সুষ্ঠু বঃেব্রাবস্ত করা দরকার। এমনভাবে, যাতে পরিবেশ ও জল দূষণ রোধ করা যায়।

সংরক্ষণ কিভাবে করতে হবে : 1) অন্যান্য জিনিসপত্র রাখা আছে এমন জায়গা থেকে অনেক দূরে কীটনাশক সহ প্যাকেট তার পরিমান ও প্রকৃতি অনুযায়ী কোন অন্য বাড়িতে বা আলাদা ঘরে তালাচাবি দেওয়া অবস্থায় আলমারীর ভিতরে সংরক্ষণ করতে হবে। 2) যে ঘরে কীটনাশক মজুত করা হবে সেটির গঠন শক্তপোক্ত হওয়া চাই এবং সেটিকে শুকনো, ভালোভাবে আলোকিত, যথেষ্ট আলোবাতাস চলাচলকারী জায়গা সমন্বিত হতে হবে। বাস্পের মাধ্যমে বিষক্রিয়া প্রতিরোধ করার জন্য

রাসায়নিক গঠন:

ফেনক্সানিল সক্রিয় উপাদান পদার্থ	: 5.00% ওজন/ওজন
আইসোপ্রোপাইল সক্রিয় উপাদান পদার্থ	: 30.00% ওজন/ওজন
সাইক্লোহেক্সানোন	: 18.00% ওজন/ওজন
ইপক্সিডাইজড সয়াবিন অয়েল	: 0.40% ওজন/ওজন
ক্যালসিয়াম ডোডিসাইল বেঞ্জিন সালফোনেট	: 3.5% ওজন/ওজন
ইথক্সিলেটেড প্রোপক্সিলেটেড পলিঅ্যারাইল ফেনল	: 6.5% ওজন/ওজন
দ্রাবক ন্যাপথা	: ক্যুএস%
মোট	: 100.00% ওজন/ওজন

সতর্কতামূলক বিবৃতি: 1. পণ্যের লেবেল অথবা লিফলেটে উল্লেখিত ছাড়া অন্য ফসল বা রোগ নিবারনের জন্য ব্যবহারকরা যাবে না। 2. লিফলেটের নির্দেশ অনুযায়ী ব্যবহারের পর ধারকপাত্র ধ্বংস করে ফেলুন। 3. মাছ এবং জলজ অমেরুদন্ডী প্রাণীদের পক্ষে এই উৎপাদনটি বিষাক্ত হতে পারে এবং জলজচাষের আশেপাশে ব্যবহার করা উচিত নয় এবং এই উৎপাদনটি চোখের জন্য যন্ত্রণাদায়ক।

"মৌমাছি ও অন্যান্য উপকারী কীটপতঙ্গের যাতে ক্ষতি না হয় সেদিকে লক্ষ্য রাখতে হবে। মৌমাছি ও যে সব কীটপতঙ্গ ক্ষতিকর কীটপতঙ্গদের স্বাভাবিক শত্রু, তাদের পক্ষে"

URDU

بو نوس
فینوکسانل 5%+آئی سو پرو تھیلین 30%ای سی
(سیسٹیمیک فنگسائڈ)

استعمال سے پہلے ہدایت کی پرچی پڑھ لیں

فینلکسونل 5%+آئی سو پرو تھیلین 30%ای سی ایک پہلے سے مخلوط نظامی فنگسائڈ ہے جو دھان میں پتوں کا ٹوٹنے اور گردن کے پھٹنے کو کنٹرول کے لیے استعمال ہوتی ہے۔

سفارش کی تفصیلات:

فصلیں	کیڑے کا عام نام	خوراک/ہیکٹر		پانی میں ملاوٹ (لیٹر)	آخری اسپرے سے کٹائی تک انتظار کی مدت (دنوں میں)	ہر درخواست کے بعد دوبارہ اندراج (گھنٹوں میں)
		اے۔آئی (گرام)	فارمولیشن (ایم ایل)			
دھان	پتوں کا ٹوٹنا، گردن کا پھٹنا	فینوکسانل :50 اور آئی سو پرو تھیلین :300	1000	500	20	-

استعمال کی ہدایت: تجویز کردہ مقدار استعمال کریں۔ مکسچر کو مطلوبہ مقدار میں پانی میں گھول لیں۔

دوبارہ داخلے کی مدت: 24 گھنٹے۔

استعمال کا وقت:

درخواست کے اوقات: ترجیحی طور پر صبح یا شام کے اوقات میں لاگو کیا جانا چاہئے۔
موسمی حالات: بارش، آندھی اور گرم دھوپ کے دوران اسپرے نہ کریں۔
درخواست کے لیے فصل کا مرحلہ: بیج سے پختگی کے مرحلے تک۔
تعدد بشمول سپرے کی تعداد: بیماری کے دباؤ کے لحاظ سے ۲-۳ فولیئر سپرے۔
وہ مراحل جن کے دوران فصل پر کیڑے مار دوا کا سپرے نہیں کیا جانا چاہیے: فصل کی پختگی سے کٹائی کے مرحلے تک
ایپلی کیشن کی تکنیک: فولیئر سپرے ہائی والیوم سپرےرز کا استعمال کرتے ہوئے۔
سازوسامان کی قسم: کمپریشن نیپ سیک سپرےر، فٹ سپرےر، ہائی اور لو والیوم اسپرےر یا بیٹر سے چلنے والے اسپرےر کا استعمال کریں۔
سفارشات کے مطابق استعمال ہونے پر فائیٹوٹوکسک نہیں ہے۔
نوزل کی قسم: کھوکھلی مخروطی نوزل

احتیاطی تدابیر: اختلاط اور اسپرے کرتے وقت حفاظتی لباس جیسے کہ پوری آستین کی قمیض، ٹوپی اور کیمیائی مزاحم ہاتھ کے دستانے استعمال کریں۔ ڈھانپے ہوئے جوتے پہنیں (جوتے یا ڈھکے ہوئے جوتے)۔ اپنی آنکھوں کی حفاظت کے لیے چہرے کی شیلڈ، چشمیں یا حفاظتی شیشے پہنیں۔ جلد یا آنکھوں کے ساتھ صفر رابطہ۔ درخواست کے بعد آلودہ لباس اور جسم کے اعضاء کو دھولیں۔ تجربے کے دوران خالی سانس لیں، تمبا کو نوشی نہ کریں، نہ پییں، نہ کھائیں نہ چبائیں۔

زہر کی علامات: گھبراہٹ، اضطراب، کپکپاہٹ، آکشیپ، الرجک مظاہر، سستی، ناک سے خارج ہونا، لعاب دہن، سانس کی قلت، جلد اور آنکھوں میں جلن۔ **ابتدائی طبی امداد کے اقدامات: اگر نگل لیا جائے: اگر نگل لیا جائے:** اگر شخص ہوش میں ہے اور ہوشیار ہے تو پانی سے منہ دھوئے اور 1 یا 2 گلاس پانی پیئے۔ بے ہوش شخص کو منہ سے کچھ نہ دیں۔ ڈاکٹر کو کال کریں۔ جب تک حاضری دینے والے ڈاکٹر کے ذریعہ نہ بتایا جائے الٹی نہ کریں۔ **اگر سانس لیا جائے:** مریض کو تازہ ہوا میں لے جائیں اور جسم کے درجہ حرارت کی نگرانی کریں۔ اگر مریض سانس نہیں لے رہا ہے یا سانس لینے میں دشواری ہو رہی ہے تو مصنوعی سانس دیں، ترجیحاً منہ سے سانس دے کر۔ ڈاکٹر سے مشورہ کریں۔ **جلد کے رابطے کی صورت میں:** صابن اور کافی پانی سے اچھی طرح دھولیں۔ اگر درد، لالی یا جلن برقرار رہے تو ڈاکٹر سے رجوع کریں۔ تمام آلودہ کپڑوں کو استعمال سے پہلے الگ کر دینا چاہیے اور صابن اور پانی سے الگ الگ دھونا چاہیے۔ آنکھوں سے رابطے کی صورت میں: کم از کم 15 منٹ تک کافی مقدار میں پانی سے آہستہ سے دھولیں۔ اگر درد، جلن، لالی یا فوٹوفوبیا برقرار رہے۔ آنکھوں کے ماہر سے مشورہ کریں۔

تریاق: کوئی خاص تریاق نہیں ہے۔ اس لیے علاماتی اور معاون تھراپی دی جانی چاہیے۔

استعمال شدہ کنٹینرز کو ٹھکانے لگانا: 1. یہ مینوفیکچررز، فارمولیٹرز یا کیڑے مار ادویات اور آپریٹرز کا فرض ہوگا کہ وہ پیکجوں یا اضافی مواد اور واش کو محفوظ طریقے سے ٹھکانے لگائیں تاکہ ماحولیاتی یا آبی آلودگی کو روکا جاسکے۔ 2. استعمال شدہ پیکجوں کو ان کے دوبارہ استعمال کو روکنے کے لیے باہر ضائع نہیں کیا جائے گا۔ 3. پیکٹوں کو توڑ کر محلے سے دور دفن کر دیا جائے گا۔

اسٹوریج: 1. فنگسائڈز پر مشتمل پیکجوں کو دوسرے سامان سے دور علیحدہ کمروں یا احاطے میں ذخیرہ کیا جائے گا، خاص طور پر کھانے کی اشیاء کو ذخیرہ کرنے کے لیے استعمال ہونے والے کمروں یا احاطے میں یا مقدار اور نوعیت کے لحاظ سے تالا اور چابی کے نیچے علیحدہ شیلف میں رکھا جائے گا۔ فنگسائڈ۔ 2. سٹور روم اچھی طرح سے برقرار، اچھی طرح سے روشن، ہوادار اور مناسب سائز کا ہونا چاہیے۔ اسٹور کی حالت خشک اور ٹھنڈی ہونی چاہئے۔

کیمیائی ساخت:

فینوکسانیل اے۔آئی مواد	: 5.00% w/w
آئی سو پروتھی اولین اے۔آئی مواد	: 30.00% w/w
سائیکلوہیکسانون	: 18.00% w/w
ایپوکسی ڈائی سیڈ سویابین تیل	: 0.40% w/w
کیلشیم ڈوڈیسائل بینزین سلفونیٹ	: 3.55% w/w
طوشیلٹےد پڑوپوشیلٹےد پولیکریل فینول	: 6.5% w/w
سولوینیٹ نیپتھا	: Q.S%
کل	: 100.00% w/w

احتیاطی اسٹیٹمنٹ: 1. لیبل اور کتابچے پر اشارہ کردہ اس کے علاوہ کسی اور مقصد کے لیے استعمال نہ کیا جائے۔ 2. استعمال کے بعد، کتابچے پر دی گئی ہدایت کے مطابق کنٹینر کو ٹھکانے لگائیں۔ 3. یہ پروڈکٹ مچھلیوں اور آبی غیر فقاری جانوروں کے لیے زہریلا ہوسکتا ہے اور اس لیے اسے آبی زراعت میں اور اس کے آس پاس استعمال نہیں کیا جاسکتا اور یہ مصنوعات آنکھوں کے لیے نقصان دہ ہے۔

فائدہ مند کیڑوں جیسے شہد کی مکھیوں اور کیڑوں کے قدرتی دشمنوں کو نقصان سے بچنے کے "لیے احتیاطی تدابیر اختیار کی جائیں۔"

ORIYA

ବୋନସ

ଫେନୋକ୍ସାନିଲ୍ ୫% + ଆଇସୋପ୍ରୋଥିଓଲେନ୍ ୩୦% ଇସି
(ବ୍ୟବସ୍ଥାଗତ କବକନାଶକ)

ବ୍ୟବହାର ପୂର୍ବରୁ ଲିଫଲେଟକୁ ପଢ଼ନ୍ତୁ

ଫେନୋକ୍ସାନିଲ୍ ୫% + ଆଇସୋପ୍ରୋଥିଓଲେନ୍ ୩୦% ଇସି ହେଉଛି ଏକ ପ୍ରି –ମିକ୍ସଚର ବ୍ୟବସ୍ଥାଗତ କବକନାଶକ ଯାହାକି ଧାନ ଫସଲରେ ପତ୍ରପୋଡ଼ା ଏବଂ ନେକ୍ ବ୍ଲାଷ୍ଟ ବା ଅଗ ଝାଉଁଳା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ହୋଇଥାଏ।

ଅନୁମୋଦନ ବିବରଣୀ:

ଶସ୍ୟ (ଗୁଡ଼ିକ)	ସାଧାରଣ ରୋଗ ପୋକର ନାମ	ମାତ୍ରା/ହେକ୍ଟର		ଜଳରେ ମିଶ୍ରଣ (ଲିଟର)	ଶେଷ ସିଞ୍ଚନ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରୁ ଅମଳ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରତୀକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନରେ)	ପ୍ରତି ପ୍ରୟୋଗ ପରେ ପୁନଃ ପ୍ରବେଶ (ଘଣ୍ଟାରେ)
		ଏଆଇ (ଗ୍ରାମ୍)	ପ୍ରସ୍ତୁତି (ଗ୍ରାମ୍)			
ଧାନ	ପତ୍ର ବ୍ଲାଷ୍ଟ ଏବଂ ଅଗ ବ୍ଲାଷ୍ଟ	ଫେନୋକ୍ସାନିଲ୍: ୫୦ ଏବଂ ଆଇସୋପ୍ରୋଥିଓଲେନ୍: ୩୦୦	୧୦୦୦	୫୦୦	୨୦	-

ବ୍ୟବହାର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳି: ଅନୁମୋଦିତ ମାତ୍ରା ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ । ଏହି ପ୍ରସ୍ତୁତିକୁ ଆବଶ୍ୟକ ପରିମାଣର ପାଣିରେ ମିଶାଇ ଦିଅନ୍ତୁ।

ପୁନଃପ୍ରବେଶ ଅବଧି: ୨୪ ଘଣ୍ଟା

ପ୍ରୟୋଗ ସମୟ: ଏହାକୁ ସକାଳେ ଓ ସନ୍ଧ୍ୟାବେଳେ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ବାଞ୍ଛନୀୟ ।
ପାଣିପାଗ ସ୍ଥିତି: ବର୍ଷା, ପବନ ଏବଂ ଗରମ ଖରାଦିନେ ସ୍ପ୍ରେ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।
ପ୍ରୟୋଗ ପାଇଁ ଫସଲର ସ୍ଥିତି: ପରିପକ୍ୱତା ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ବିହନ।
ସର୍ବାଧିକ କେତେଥର ସିଞ୍ଚାଯାଇ ପାରେ: ରୋଗ ବ୍ୟାପକତା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ୨-୩
ଫସଲର କେଉଁ ସ୍ଥିତିରେ ଫିମ୍ପିନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯିବା : ଅମଳ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ପରିପକ୍ .ତା।
ପ୍ରୟୋଗ ବିଧି:
ଯନ୍ତ୍ରପାତି ପ୍ରକାର: ସଙ୍କୋଚନ ନ୍ୟାପସ୍ୟାକ ସ୍ପ୍ରେୟର, ସଙ୍କୋଚନ ନ୍ୟାପସ୍ୟାକ ଉଚ୍ଚ ଏବଂ ନିମ୍ନ ଭଲ୍ୟୁମ୍ ବ୍ୟାଟେ!
ଫାଇଟୋଟ ଓାଟି : ଫେନୋକ୍ସାନିଲ୍ ୫% + ଆଇସୋପ୍ରୋଥିଓଲେନ୍ ୩୦% ଇସି ଅନୁଯାୟୀ ବ୍ୟବହାର କରାଗଲେ ଫାଇନୋଡକ୍ସିନ୍ ନୁହେଁ ।
ନୋକସ୍ ପ୍ରକାର: ହରୋ କୋନ ନୋକର!

ସାବଧାନତା: ଗୋଳାଇବା ସମୟରେ ଏବଂ ସିଞ୍ଚନ ସମୟରେ ସୁରକ୍ଷାତ୍ମକ ପୋଷାକ ଯେପରିକି ଫୁଲ୍ ସ୍ଲିଭ୍ ସାର୍ଟ, କ୍ୟାପ୍ ଏବଂ ରସାୟନ ପ୍ରତିରୋଧୀ ହ୍ୟାଣ୍ଡ ଗ୍ଲୋଭସ୍ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଭଲ ଭାବରେ ଆଚ୍ଛାଦିତ କରୁଥିବା ଜୋତା ଯେପରିକି ବୁଟ୍ କିମ୍ବା କଭର ହେଉଥିବା ଜୋତା ପିନ୍ଧନ୍ତୁ)। ଚକ୍ଷୁ ସୁରକ୍ଷା ପରିଧାନ ଯେପରିକି ଏକ ଫେସ୍ ସିଲଡ, ଗଗଲସ୍ କିମ୍ବା ସେଫଟି ଗ୍ଲାସ୍ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ। ତ୍ୱଚା କିମ୍ବା ଚକ୍ଷୁ ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା ଏଡାନ୍ତୁ। ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକ ଏବଂ ଶରୀରର ଅଂଶକୁ ପ୍ରୟୋଗ ପରେ ଧୋଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ନିଶ୍ୱାସରେ ଗ୍ରହଣ କରିବା ଏଡାନ୍ତୁ, ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ସମୟରେ କିଛି ଖାଆନ୍ତୁ ନାହିଁ, ପିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ ଏବଂ ଚୋବାନ୍ତୁ ନାହିଁ।

ବିଷାକ୍ତ ପ୍ରଭାବରଲକ୍ଷଣଗୁଡ଼ିକ: ଉଦବେଗ, ଉତ୍କଣ୍ଠା, ଥରିବା, କମ୍ପ ଆସିବା, ଆଲର୍ଜିକ୍ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାର ଲକ୍ଷଣ ଦେଖାଦେବା, ଅବସନ୍ନତା, ନାକରୁ ସ୍ରାବ, ଲାଳ ଝରିବା, ନିଃଶ୍ୱାସରେ ନେବା କଷ୍ଟ ହେବା, ଚକ୍ଷୁ ଏବଂ ତ୍ୱଚା ପ୍ରତି ଉତ୍ତେଜକ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା ପଦକ୍ଷେପଗୁଡ଼ିକ: ଯଦି ଖାଇଦେଇଥାନ୍ତି: ଯଦି ବ୍ୟକ୍ତି ଜଣକ ସଚେତନ ଅଛନ୍ତି ତେବେ ପାଣି କୁଳି କରିବାକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ପିଇବା ପାଇଁ ୧ କିମ୍ବା ୨ ଗ୍ଲାସ୍ ପାଣିଦିଅନ୍ତୁ।ଜଣେ ବେହୋଶ ବ୍ୟକ୍ତିକୁ କେବେହେଲେ ପାଟି ପଟେ କିଛି ଦିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ। ତୁରନ୍ତ ଡାକ୍ତରଙ୍କ ସହାୟତା ନିଅନ୍ତୁ। ଯଦି ନିଶ୍ୱାସରେ ଗ୍ରହଣ କରିଥାନ୍ତି: ରୋଗୀଙ୍କୁ ତାଜା ପବନକୁ ନିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ଶରୀରର ତାପମାତ୍ରାର ଯତ୍ନ ନିଅନ୍ତୁ। ଯଦି ରୋଗୀ ନିଶ୍ୱାସ ନେଉନାହାନ୍ତି ବା ଶ୍ୱାସକ୍ରିୟାରେ ଅସୁବିଧା ହେଉଛି, କୃତ୍ରିମ ଶ୍ୱାସକ୍ରିୟା କରନ୍ତୁ ବିଶେଷକରି ମୁହଁରେ ମୁହଁ ଲଗାଇ ନିଶ୍ୱାସ ଦିଅନ୍ତୁ। ଡାକ୍ତରଙ୍କ ସହ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ। ତ୍ୱଚା ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା: ପ୍ରଦୂଷିତ ହୋଇଥିବା ତ୍ୱଚାକୁ ସାବୁନ୍ ଓ ପ୍ରଚୁର ପାଣି ଦ୍ୱାରା ଭଲଭାବରେ ଧୋଇନିଅନ୍ତୁ ଏପରିକି କେଶ ଓ ନଖ ମଧ୍ୟ ଭଲରେ ପରିଷ୍କାର କରନ୍ତୁ। ଯଦି ଯନ୍ତ୍ରଣା, ନାଲି ପଡ଼ିବା, ପୋଡାଜଳା ଜାରି ରହେ ଡାକ୍ତରଙ୍କ ସହ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ। ସମସ୍ତ ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକ ଅଲଗା କରି ରଖାଯିବ ଏବଂ ଭଲଭାବରେ ସାବୁନ୍ ପାଣି ଦେଇ ଧୋଇବା ପରେ ବ୍ୟବହାର କରାଯିବ। ଯଦି ଆଖି ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିଥାଏ: ଯଥେଷ୍ଟ ପରିଷ୍କାର ପାଣି ଆଖିରେ ଅତିକମ୍‌ରେ ୧୫ ମିନିଟ୍ ପଯର୍ୟନ୍ତ ଛାଟନ୍ତୁ। ଜଣେ ପୋଡାଜଳା ଜାରି ରହେ, ନାଲି ପଡେ କିମ୍ବା ଆଲୋକକୁ ଚାହିଁହୁଏ ନାହିଁ ଚକ୍ଷୁ ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ସହ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।

ବିଷନାଶକ: କୌଣସି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଆଣ୍ଟିଡୋଟ୍ ଜଣା ନାହିଁ । ଲକ୍ଷଣ ଅନୁଯାୟୀ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତୁ।

ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ର ନିକ୍ଷେପଣ: ୧. ଶୂନ୍ୟପାତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ଭାଂଗି ଜନବସତି ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତି ଦିଆଯିବା ୨. ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡିକର ପୁନଃବ୍ୟବହାର ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ଏହା ବାହାରେ ଛାଡ଼ିଦିଆଯିବ ନାହିଁ । ୩. ପରିବେଶ ଓ ଜଳ ପ୍ରଦୂଷଣ ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ୟାକେଜ୍ କିମ୍ବା ବଳକା ସାମଗ୍ରୀ ଓ ଧୋଇବାରୁ ବାହାରିଥିବା ପାଣି ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବରେ ନିକ୍ଷେପଣ କରିବା ହେଉଛି ପରିଚାଳନାକାରୀ ଏବଂ କୀଟନାଶକ ପ୍ରସ୍ତୁତିକାରୀ, ଉତ୍ପାଦନକାରୀଙ୍କର ଦାୟିତ୍ୱ।

ସଂରକ୍ଷଣ ସ୍ଥିତି: ୧.କୀଟନାଶକ ଧାରଣ କରିଥିବା ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡିକ କୀଟନାଶକର ପ୍ରକୃତି ଓ ପରିମାଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ପୃଥକ୍ କୋଠରୀରେ କିମ୍ବା ପରିସରରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜିନିଷ ସାଇତି ରଖିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ କୋଠରୀ କିମ୍ବା ପରିସର ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୃଥକ ଆଲ୍‌ମିରାରେ ତାଲାଚାବି ପକାଇ ରଖାଯିବା ୨. କୀଟନାଶକ ସାଇତି ରଖିବା ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ କୋଠରୀ କିମ୍ବା ପରିସର ସୁନିର୍ମିତ, ଆଲୋକିତ, ଉତ୍ତମ ବାୟୁଚଳାଚଳ ବିଶିଷ୍ଟ, ଶୁଷ୍କ ଓ ଯଥେଷ୍ଟ ଆକାରର ହୋଇଥିବାବାଷ୍ପ ସହିତ ପ୍ରଦୂଷଣ ଏଡ଼ାଇବାପାଇଁ ।

ରାସାୟନିକ ଗଠନ:

ଫେନୋକ୍ସାନିଲ୍ ଏ.ଆଇ. ପରିମାଣ	: ୫.୦୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
ଆଇସୋପ୍ରୋଥିଓଲେନ୍ ଏ.ଆଇ. ପରିମାଣ	: ୩୦.୦୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
ସାଇକ୍ଲୋହେକ୍ସାନନ୍	: ୧୮.୦୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
ଇପୋକ୍ସିଡାଇଜଡ୍ ସୋୟାବିନ୍ ଅଏଲ୍	: ୦.୪୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
କାଲସିଅମ୍ ଡୋଡେସିଲ୍ ବେଞ୍ଜିନ ସଲଫୋନେଟ୍	: ୩.୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
ଇଥୋକ୍ସିଲେଟେଡ୍ ପ୍ରୋପୋକ୍ସିଲେଟେଡ୍ ପଲିଆରିଲ୍ ଫିନଲ୍	: ୬.୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ
ସଲଭେଣ୍ଟ ନାପଥା	: କ୍ୟୁ.ଏସ୍.%
ମୋଟ	: ୧୦୦.୦୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ

ସାବଧାନତା ବକ୍ତବ୍ୟଗୁଡ଼ିକ: ୧. ଏହି ଲେବଲ ଏବଂ ଲିଫଲେଟରେ ଦର୍ଶାଯାଇଥିବା ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ବ୍ୟବହୃତ ହେବ ନାହିଁ। ୨. ଲିଫ୍‌ଲେଟ୍‌ରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଥିବା ଅନୁଯାୟୀ ବ୍ୟବହାର ପରେ ପାତ୍ରକୁ ନଷ୍ଟ କରନ୍ତୁ । ୩. ଏହି ଉତ୍ପାଦ ମାଛ ଏବଂ ଜଳଜ ଅମେରୁଦଣ୍ଡୀ ଜୀବମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ବିଷାକ୍ତ ହୋଇପାରେ ଏବଂ ଏଗୁଡ଼ିକ ଜଳକୃଷି କରାଯାଉଥିବା କ୍ଷେତ୍ର ଚାରିପଟେ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇନପାରେ ଏବଂ ଏହି ଉତ୍ପାଦ ଆଖି ପ୍ରତି ଉତ୍ତେଜକ ହୋଇଥାଏ।

"ମହୁମାଛି ଏବଂ ପ୍ରାକୃତିକ ଶତ୍ରୁଙ୍କ ଭଳି ହିତକାର କୀଟମାନଙ୍କୁ ଯେପରି ଛତି ନ ପହଞ୍ଚି ସେଥିପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦିଆଯିବା ଉଚିତ"

TAMIL

போனஸ்

ஃபெனோக்ஸானில் 5% + ஐஸோப்ரோதிலேன் 30% EC
(உள்ளிருந்தே ஊடுறுவும் பூசாணக்கொல்லி)

பயன்படுத்தும் முன்னர் கையேட்டைப் படிக்கவும்

ஃபெனோக்ஸானில் 5% + ஐஸோப்ரோதிலேன் 30% EC முன்னதாக கலக்கப்பட்ட உள்ளிருந்தே ஊடுறுவும் பூசாணக்கொல்லியாகும். இது நெல் பயிரில இலை வெடிப்பு மற்றும் தண்டு நுனி வெடிப்பு போன்றவற்றை கட்டுப்படுத்த உபயோகிக்கப்படுகிறது.

பரிந்துரை விவரங்கள்:

பயிர்(கள்)	பூச்சியின் பொதுப் பெயர்கள்	அளவு / ஹெக்டர்		தண்ணீரில் செறிவு குறைத்தல் (லி)	கடைசி ஸ்ப்ரேயிலிருந்து அறுவடை வரைக்குமான காத்திருப்பு காலம் (நாட்களில்)	ஒவ்வொரு பயோகிப்புக்கு பிறகும் மறு - நுழைவு (மணிகளில்)
		A.I. (கி)	ஃபார்முலேஷன் (கி)			
நெல்	இலை வெடிப்பு, கழுத்து வெடிப்பு	ஃபெனோக்ஸானில்: 50 மற்றும் ஐஸோப்ரோதிலேன்: 300	1000	500	20	-

உபயோகிப்பதற்கான வழிகாட்டு முறைகள்: பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவை உபயோகிக்கவும். தேவையான அளவு தண்ணீரில் ஃபார்முலேஷனை கலந்து செறிவு குறைக்கவும்.

மறு - நுழைவு காலம் : 24 மணிநேரம்

உபயோகிப்பதற்கான நேரம்:
தெளிப்பதற்கான நேரம் : மருந்தை இயன்றவரை காலையில் மற்றும்மாலையில் தெளிக்கப்பட வேண்டும்.
வானியல் நிலைகள் : மழை, காற்று மற்றும் வெயில் காலங்களில் தெளிக்க வேண்டாம்
வளர்ச்சிநிலை : முதிர்ச்சி நிலைக்கு நாற்று.
தெளிப்புகளின் அதிகபட்ச எண்ணிக்கை உள்பட கால இடைவெளி : நோயின் தாக்கத்தின் அழுத்தம் பொருத்து 2-3 தெளிப்புகள்.
பயிர்கள் மீதும் பூஞ்சாண கொல்லிதெளிக்கப்பட கூடாத நிலைகள் : அறுவடை நிலைக்கு பயிர் முதிர்ச்சி
பயன்பாட்டு நுட்பங்கள் : அதிக அளவு தெளிப்பான்களைப் பயன்படுத்தி ஃபோலியார் ஸ்ப்ரே.
உபகரண வகை : கம்ப்ரஷன் நாப்சாக் தெளிப்பான், கம்ப்ரஷன் நாப்சாச் பேட்டரி தெளிப்பான்.
தாவர நச்சு : ஃபெனோக்ஸானில் 5% + ஐஸோப்ரோதிலேன் 30% EC பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவுகளில்
வகைகள் : ஹாலோ கோன்.

முன்னெச்சரிக்கை: பூசாணக்கொல்லி யை கலக்கும் போதும், ஸ்ப்ரே செய்யும் போதும் முழுக்கை சட்டை, தொப்பி மற்றும் இரசாயன - எதிர்ப்பு கையுறைகள் போன்ற முழு பாதுகாப்பு உடைகளை அணியவும். கால்களில் முழுவதும் மூடப்பட்ட பூட்ஸ் அல்லது ஷூக்களை அணியவும். முகமூடி, குளிர் கண்ணாடிகள் அல்லது பாதுகாப்பு கண்ணாடிகளை அணியவும். சருமம் மற்றும் கண்களில் படுவதை தவிர்க்கவும். உபயோகித்த பின்னர்கறைபட்ட உடைகளையும் உடல் பாகங்களையும் நன்றாக கழுவவும். முகர்வதை தவிர்க்கவும், உபயோகிக்கும் போது, புகை பிடிக்கவோ, பானங்கள் அருந்தவோ, எதையும் சாப்பிடவோ மற்றும் மெல்லவோ கூடாது.

நச்சு அறிகுறிகள்: பதட்டம், கவலை, நடுக்கம், வயிற்றுப்போக்கு மற்றும் ஒவ்வாமை வெளிப்பாடுகள் உண்டாகலாம், சோம்பேறித்தனம், மூக்கொழுகல், எச்சிலூறுதல், மூச்சுத்திணறல், சருமம் மற்றும் கண்களில் எரிச்சல் உண்டாகலாம். **முதலுதவி நடவடிக்கைகள்: விழுங்கியிருந்தால்:** பாதிக்கப்பட்டவர் விழிப்புடனும், எச்சரிக்கையாகவும் இருந்தால், தண்ணீரால் வாயை நன்றாக கழுவவும் மற்றும் 1-2 கிளாஸ் தண்ணீரை குடிக்க கொடுக்கவும். மயங்கியிருப்பவருக்கு வாய் வழியாக எதையும் தரக் கூடாது. மருத்துவரை அழைக்கவும். சிகிச்சை அளிக்கும் மருத்துவர் கூறினாலின்றி, வாந்தி எடுக்க தூண்ட வேண்டாம். **முகர்ந்திருந்தால்:** நோயாளியை ஃப்ரெஷ்ஷாக காற்று வீசும் இடத்துக்கு அழைத்துச் சென்று, உடல் வெப்பநிலையை கவனிக்க வேண்டும். நோயாளி சுவாசிக்காவிட்டாலோ அல்லது சிரமத்துடன் சுவாசித்தாலோ, செயற்கை சுவாசம் அளிக்க வேண்டும், குறிப்பாக வாயில் வாய் வைத்து சுவாசிக்க வைக்க வேண்டும். மருத்துவரை கலந்தாலோசிக்கவும். **சருமத்தில் பட்டிருந்தால்:** முடி மற்றும் நகங்களின் கீழ்ப் பகுதி உள்ளிட்ட உடலின் பாதிக்கப்பட்ட பகுதியை சோப் மற்றும் நிறைய தண்ணீர் விட்டு நன்றாக கழுவவும். வலி, தோல் அழற்சி அல்லது எரிச்சல் நீடித்தால், மருத்துவரை கலந்தாலோசிக்கவும். உபயோகிக்குமுன்னர்களங்கப்பட்ட அனைத்து உடைகளையும் தனியாக பிரித்து, சோப் மற்றும் தண்ணீரால் தனியாக துவைக்க வேண்டும். **கண்களில் பட்டிருந்தால்:** குறைந்தது 15 நிமிடங்களுக்கு நிறைய தண்ணீர் விட்டு, மென்மையாக கழுவவும். வலி, எரிச்சல், தோல் அழற்சி அல்லது ஃபோட்டோபோபியா இருந்தால், மருத்துவரை கலந்தாலோசிக்கவும்.

விஷமுறிவு: எந்த குறிப்பிட்ட விஷமுறிவும் கிடையாது. எனவே, அறிகுறி சிகிச்சை மற்றும் ஆதரவு சிகிச்சை அளிக்கப்பட வேண்டும்.

உபயோகித்த கொள்கலன்களை அப்புறப்படுத்துதல் :1. பேக்கேஜுகளை உடைத்து, மனித நடமாட்டமுள்ள இடங்களிலிருந்து தூரமாக புதைக்கவும். பேக்கேஜுகள் அல்லது அதிகப்படி பொருட்கள் மற்றும் கழுவிய நீரை பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப்படுத்தி, சுற்றுச்சூழல் அல்லது தண்ணீர் மாசுபடுதலை தடுப்பது, தயாரிப்பாளர்கள், பூச்சிக்கொல்லி ஃபார்முலேட்டர்கள் மற்றும் இயக்குனர்களின் கடமைப் பொறுப்பாகும். 2. உபயோகிக்கப்பட்ட பேக்கேஜுகள் மீண்டும் உபயோகிக்கப் படுவதை தவிர்க்க, அவற்றை வெளியே விட்டு வைக்கக் கூடாது.3. பேக்கேஜுகள் அல்லது அதிகப்படி பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் கழுவிய நீரை பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப்படுத்தி, சுற்றுச்சூழல் மற்றும் தண்ணீர் மாசை தவிர்க்கலாம்.

சேமிப்பு நிபந்தனைகள் : 1. பூச்சிக்கொல்லிகளை கொண்டுள்ள பேக்கேஜுகள், பிற பொருட்களை வைத்திருக்கும் அறைகளிலிருந்து தூரமாக தனி அறைகள் அல்லது வளாகங்களில் சேமிக்கப்பட வேண்டும் அல்லது பூச்சிக்கொல்லிகளின் அளவு மற்றும் தன்மையைப் பொறுத்து பூட்டிய தனி அலமாரிகளில் சேமிக்கப்பட வேண்டும்.2) பூச்சிக்கொல்லிகளை சேமிப்பதற்கான அறைகள் அல்லது வளாகங்கள், பூச்சிக்கொல்லிகளின் ஆவியால், சுற்றுச்சூழல் மாசு உண்டாவதை தடுக்குமாறு, நன்கு கட்டப்பட்டு, உலர்ந்து, நல்ல வெளிச்சத்துடன், காற்றோட்டமாக இருப்பதுடன், போதிய அளவுகளுடனும் இருக்க வேண்டும் ஆவியுடன் களங்கப்படுவதை தவிர்க்கவும்.

இரசாயன கலவை:

ஃபெனோக்ஸானில் a.i. உட்பொருள்	: 5.00% ஏ/ஏ
ஐஸோப்ரோதிலேன் a.i. உட்பொருள்	: 30.00% ஏ/ஏ
சைக்ளோஹெக்ஸனன்	: 18.00% ஏ/ஏ
எபாக்சிடைஸ்டு சோயாபீன் ஆயில் எபோக்ஸிடைஸ்டு	: 0.40% ஏ/ஏ
கால்ஷியம் டோட்சைல் பென்சீன் சல்ஃபோனேட்	: 3.5% ஏ/ஏ
எதாக்ஸிலேட்டட ப்ராபோக்சைலேட் பாலியில் ஃபீனைல்	: 6.5% ஏ/ஏ
கரைப்பான் நேப்தா	: Q.S%
மொத்தம்	:100.00% ஏ/ஏ

எச்சரிக்கை அறிக்கை:- 1. லேபிள் மற்றும் சிற்றேடுகளில் குறிப்பிடப்பட்டவற்றை விடுத்து வேறு பயிர்கள் மற்றும் நோய்கள் மீது உபயோகிக்கக் கூடாது. 2. சிற்றேட்டில் குறிப்பிடப்பட்டபடி, உபயோகித்த பின்னர் கொள்கலனை உடைத்து விடவும். 3. இந்த தயாரிப்பு மீன் மற்றும் முதுகெலும்பில்லா நீர்வாழ் உயிரினங்களுக்கு நச்சு உண்டாக்கக் கூடியது. இதனால் மீன் வளர்ப்பு பண்ணைகளருகே இவற்றை உபயோகிக்கக் கூடாது. இந்த தயாரிப்பு கண்களில் எரிச்சல் உண்டாக்கும்.

"தேனீக்கள் போன்ற பயனளிக்கும் பூச்சிகள் மற்றும் இயற்கை விரோதிகளுக்கு இருக்க வேண்டும். உண்டாவதை தடுக்க "முன்னெச்சரிக்கையுடன்"

TELUGU

బోనస్

ఫెనాక్సానిల్ 5% + ఐసొప్రొథలీన్ 30% ఇసి
(అంతర్వాహిక శిలీంధ్రనాశిని)

ఉపయోగించడానికి ముందు కరపత్రం చదవండి

ఫెనాక్సనిల్ 5% + ఐసొప్రొథలీన్ 30% ఇసి అంతర్వాహిక శిలీంధ్రనాశినిల మిశ్రమం. వరి పంటను ఆశించు అగ్గితెగులు మరియు మెడవిరుపు తెగులును బాగా అరికట్టును.

సిఫారసు వివరాలు:

పంట(లు)	కీటకం సాధారణ నామం	మోతాదు / హెక్టారు		నీటి పరిమాణం (లీటర్లు)	చివరి పిచికారీ నుండి పంటకోత మధ్య విరామం (రోజులలో)	పునః ప్రవేశం, ప్రతి పిచికారీ తదుపరి (గంటలలో)
		స.ప. (గ్రాము)	సూత్రీకరణ (మి.లీ.)			
వరి	అగ్గితెగులు, మెడవిరుపు తెగులు,	ఫెనాక్సానిల్: 50 మరియు ఐసొప్రొథలీన్ : 300	1000	500	20	-

ఉపయోగించుటకు సూచన: సిఫారసులో తెలిపిన మోతాదును ఉపయోగించిండి. అవసరమైన నీటి పరిమాణంలో సూత్రీకరణను కరిగించాలి.

తిరిగి ప్రవేశించే వ్యవధి: 24 గంటలు.

వినియోగించవలసిన సమయం : ఉదయం మరియు సాయంత్రం వినియోగించడానికిప్రాధాన్యంఇవ్వాలి
వాతావరణ పరిస్థితులు: వర్షం, గాలులు మరియు వేడిఎండ సమయంలో పిచికారీ చేయవద్దు
వాడకం కొరకు పంట దశ: మొలక నుండి పరిపక్వ దశ వరకు
గరిష్ఠ పిచికారిల సంఖ్యతో సహా తరచుదనం: తెగులు బెడదను బట్టి 2-3 సార్లు పిచికారి చేయాలి
పంటపై తెగులుమందు పిచికారీ చేయకూడని దశలు: పంట కోత కు వచ్చే దశలో
వినియోగించవలసిన టెక్నిక్: అధిక వాల్యూమ్ గల ఫోలియర్ పంప్ స్ప్రేయర్లను ఉపయోగించాలి
పరికరము రకం: కంప్రెషన్ నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్, ఫుట్ స్ప్రేయర్, అధిక మరియు తక్కువ వాల్యూమ్ స్ప్రేయర్ లేదా బ్యాటర్ ఆపరేటెడ్ స్ప్రేయర్‌లను ఉపయోగించండి,
విషతుల్యత : ఫెనాక్సానిల్ 5% + ఐసొప్రొథలీన్ 30% ఇసి సిఫార్సుల ప్రకారం ఉపయోగించినప్పుడు మొక్కలకు హాని కాదు
నాజిల్ రకం: హాలో కోన్ నాజిల్స్

ముందు జాగ్రత్తలు: మందు కలుపునపుడు మరియు పిచికారీ చేయునపుడు సురక్షిత దుస్తులు, పొడుగు చేతుల చొక్కా, టోపీ మరియు రసాయన నిరోధక చేతితొడుగులు, బూట్లు లేదా పూర్తి కవర్ చేసిన బూట్లు కళ్ళకు రక్షణగా ముఖ కవచం, కళ్ళ జోడు లేదా సురక్షిత అద్దాలు ధరించాలి. చర్మం మరియు కళ్ళకు అంటనీయరాదు. ఉపయోగించిన తరువాత కలుషితమైన దుస్తుల్ని మరియు శరీర భాగాల్ని కడగాలి. ఉపయోగించే సమయంలో పీల్చరాదు, పొగ త్రాగరాదు, ఏదీ తినరాదు, త్రాగరాదు మరియ నమలరాదు.

విష లక్షణములు: నీరసం, భయం ఆందోళన, వణుకు, మూర్ఛలు, అలెర్జీ లక్షణములు, బద్ధకం, ముక్కుకారుట, లాలాజలం, డిస్పొనియా, చర్మంనకు మరియు కళ్ళలో చికాకు.

ప్రథమ చికిత్స: మింగినచో:– వ్యక్తి అప్రమత్తంగా ఉన్నచో, ముఖం శుభ్రపరిచి 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీటిని త్రాగుటకు ఇవ్వండి. అపస్మారక వ్యక్తికి నోటి ద్వారా ఏమీ ఇవ్వరాదు. వైద్యునిపిలవండి. వైద్యుని సలహా మేరకు తప్ప వాంతి చేయించరాదు. **పీల్చినచో:** రోగిని తాజా గాలిలోనికి తరలించండి మరియు శరీర ఉష్ణోగ్రత గురించి జాగ్రత్తగా గమనించాలి రోగి శ్వాసించకున్ననూ లేదా కష్టంగా శ్వాస ఉన్నచో నోటి నుండి నోటికి కృత్రిమశ్వాసను అందించండి. వైద్య సలహాను పొందండి. **చర్మంనకు అంటినచో:** శరీరం యొక్క ప్రభావిత భాగాన్ని సబ్బుతో వెంట్రుకలు మరియు వేలుగోళ్ల కింద పుష్కలంగా నీటితో బాగా కడగాలి. నొప్పి, ఎరుపు లేదా చికాకు కొనసాగితే, కలుషితమైన బట్టలన్నింటినీ వేరు చేసి, వాడే ముందు సబ్బు మరియు నీటితో విడిగా శుభ్రంగా కడుక్కోవాలి. **కళ్ళలో పడినచో:** అధిక నీటితో నెమ్మదిగా 15 నిమిషాల పాటు నెమ్మదిగా కడగండి. ఇంకనూ నొప్పి, చిరాకు, ఎరుపుగా లేదా కాంతి భయం ఉన్నచో కంటివైద్యుని సంప్రదించండి.

విరుగుడు: ప్రత్యేకించి విరుగుడు ఏదీ లేదు. అందువల్ల, రోగి లక్షణాల ప్రకారం చికిత్స చేయండి.

నిల్వ : 1. టెక్నికల్ గ్రేడ్ పురుగు మందును కలిగి ఉన్న ప్యాకేజీని ఒరిజినల్ కంటైనర్లలో ప్రత్యేక గదిలో లేదా అల్మిరాలో లాక్ అండ్ కీ కింద నిల్వ చేయాలి. 2. పురుగుమందులపరిమాణాన్ని బట్టి, పిల్లలకు , ఆహారపదార్థాలకు, పశుగ్రాసాలకు మరియు ఇతర వస్తువులకు దూరంగా ఉంచాలి. 3. చల్లని మరియు పొడిప్రదేశంలో భద్రపరచాలి. నిల్వ కోసం ప్రాంగణం బాగా నిర్మించబడాలి, గాలి వెలుతురు పుష్కలంగా ఉండే విధంగా చూసుకోవాలి.

కంటైనర్లను పారవేయడం : 1. ఖాళీ మందు డబ్బాను నలిపి మరియు నీటి వనరులు మరియు ఆవాసాలకు దూరంగా ఉన్న సురక్షితమైన ప్రదేశంలో భూమిలో పాతిపెట్టాలి. 2. మందు డబ్బాలను నీరు మరియు పర్యావరణం కలుషితం కాకుండా నాశనం చేయాలి. తిరిగి ఉపయోగించే ప్రమాదాన్ని నిరోధించడానికి వాడిన మందు డబ్బాలను బయట ఉంచకూడదు.

రసాయనిక మిశ్రణం :

ఫెనొక్సానిల్ స.ప. కంటెంట్	: 5.00% భా/భా
ఐసొప్రొథలీన్ స.ప. కంటెంట్	:30.00% భా/భా
సైక్లోహెక్సానోన్	: 18.00% భా/భా
ఎపాక్సిడైజ్డ్ సోయాబీన్ ఆయిల్	: 0.40% భా/భా
కాల్షియం డోడెకైల్ బెంజీన్ సల్ఫోనేట్	:3.5% భా/భా
ఇథాక్సిలేటెడ్ ప్రొపోక్సిలేటెడ్ పాలిఅరైల్ ఫినాల్	: 6.5% భా/భా
సల్వెంట్ నాఫ్తా	: క్యూ. ఎస్%
మొత్తం	: 100.00% భా/భా

ముందు జాగ్రత్తలు:–1. లేబుల్ మరియు కరపత్రంలో సూచించిన పైర్లపై తప్ప ఇతర పైర్లపై ఉపయోగించరాదు. 2. కరపత్రంలో సూచించిన ప్రకారం ఉపయోగించిన కంటైనర్‌ను నాశనం చేయండి. 3. ఈ ఉత్పాదన చేపలు మరియు వెన్నెముకలేని జలచరాలకు విషకారి. కావున నీటి వనరులు, చేపల సేద్యం ఉన్నచోట ఉపయోగించరాదు. ఇది కళ్ళకు చికాకు కలిగిస్తుంది.

"తేనెటీగలు మరియు సహజ శత్రువులు వంటి మేలు చేసే పురుగులకు హాని జరగకుండా జాగ్రత్తలు తీసుకోవాలి"

KANNADA

ಬೊನೊಸ್

ಫೆನೋಕ್ಸಾನಿಲ್ 5% + ಐಸೋಪ್ರೊಥಿಲೇನ್ 30% ಇಸಿ
(ವ್ಯವಸ್ಥಿತ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ)

ಬಳಕೆಯ ಮೊದಲು ಹಸ್ತ ಪತ್ರಿಕೆ ಓದಿರಿ

ಫೆನೋಕ್ಸಾನಿಲ್ 5% + ಐಸೋಪ್ರೊಥಿಲೇನ್ 30% ಇಸಿ ಒಂದು ಪೂರ್ವ-ಮಿಶ್ರಿತ ಸಂಪೂರ್ಣ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವಾಗಿದ್ದು ಇದನ್ನು ಭತ್ತದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿನ ಬೆಂಕಿ ರೋಗ ಮತ್ತು ಕುತ್ತಿಗೆ ಕೊಳೆಯುವ ರೋಗವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಶಿಫಾರಸು ವಿವರಗಳು:

ಬೆಳೆ(ಗಳು)	ಕೀಟಗಳ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಡೋಸೇಜ್ / ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ		ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ (ಲೀ)	ಹಿಂದಿನ ಸಿಂಪರಣೆ ಮತ್ತು ಫಸಲು ಕೊಯ್ಯುವಿಕೆ ನಡುವೆ ಕಾಯುವಿಕೆ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)	ಪ್ರತಿ ಸಿಂಪರಣೆ ಬಳಿಕ ಮರು- ಪ್ರವೇಶ (ಗಂಟೆಗಳಲ್ಲಿ)
		ಎ.ಐ. (ಗ್ರಾಂ)	ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್ (ಗ್ರಾಂ)			
ಭತ್ತ	ಎಲೆ ಸಿಡಿಯುವ ರೋಗ, ಕುತ್ತಿಗೆ ಸಿಡಿಯುವ ರೋಗ	ಫೆನೋಕ್ಸಾನಿ: 50 ಮತ್ತು ಐಸೋಪ್ರೊಥಿಲೇನ್: 300	1000	500	20	-

ಬಳಕೆಗಾಗಿ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು: ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾದ ಡೋಸ್. ಸೂತ್ರೀಕರಣವನ್ನು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರಿನಲ್ಲಿಸಾರಗುಂದಿಸಿ.

ಪುನರ್-ಪ್ರವೇಶದ ಕಾಲ: 24 ಗಂಟೆಗಳು.

ಬಳಸುವ ಸಮಯ: ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಮತ್ತು ಸಂಜೆಯ ಸಮಯ ಪ್ರಯೋಗಿಸುವುದು ಒಳಿತು.
ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳು: ಮಳೆ, ಗಾಳಿ ಮತ್ತು ಬಿಸಿಲಿನ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಡಿ.
ಬಳಸಲು ಬೆಳೆಯ ಹಂತ: ಪಕ್ವತೆಯ ಹಂತಕ್ಕೆ ಮೊಳಕೆ
ಪದೇಪದೇ ಮಾಡುವ ಸಿಂಪರಣೆ, ಗರಿಷ್ಠ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಸಿಂಪರಣೆ ಒಳಗೊಂಡಂತೆ: ರೋಗದ ದಟ್ಟಣೆಯ ಅನುಸಾರ 2 ರಿಂದ 3 ಸಿಂಪರಣೆ.
ಯಾವುದೇ ಬೆಳೆಯ ಮೇಲೆ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಹುದಾದ ಹಂತ: ಕೊಯ್ಲು ಹಂತಕ್ಕೆ ಪ್ರಬುದ್ಧತೆ
ಬಳಸುವ ತಂತ್ರ: ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪರಣೆ.ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರಮಾಣದ ಸಿಂಪಡಿಸುವ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು
ಉಪಕರಣದ ಪ್ರಕಾರ: ಕಂಪ್ರೆಷನ್ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಕಂಪ್ರೆಷನ್ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಬ್ಯಾಟರಿ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್.
ಮುಂಜಾಗರೂಕತೆ ವಹಿಸಬೇಕು: ಫೆನೋಕ್ಸಾನಿಲ್ 5% + ಐಸೋಪ್ರೊಥಿಲೇನ್ 30% ಇಸಿಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದ ಡೋಸ್‌ನಲ್ಲಿ ಬಳಸಿದಾಗ ಫೈಟೋಟಾಕ್ಸಿಕ್ ಇರುವುದಿಲ್ಲ
ನಾಝಲ್‌ನ ಪ್ರಕಾರಗಳು: ಹಲೊ ಕೋನ್.

ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು: ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡುವಾಗ ಮತ್ತು ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡುವಾಗ ಪೂರ್ಣ ತೋಳಿನ ಅಂಗಿ, ಕ್ಯಾಪ್ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕ-ನಿರೋಧಕ ಕೈಗವಸು ಮುಂತಾದ ರಕ್ಷಣಾ ಉಡುಪುಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಮುಚ್ಚಿದ ಪಾದರಕ್ಷಾ ಬೂಟುಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಮುಚ್ಚುವ ಶೂಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿ. ಫೇಸ್ ಶೀಲ್ಡ್, ಕನ್ನಡಕಗಳು ಅಥವಾ ಸುರಕ್ಷಾ ಕನ್ನಡಕಗಳು ಮುಂತಾದ ಕಣ್ಣಿನ ರಕ್ಷೆಯನ್ನು ಬಳಸಿ. ಚರ್ಮ ಮತ್ತು ಕಣ್ಣಿಗೆ ತಗುಲದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಿ ಹಚ್ಚಿದ ಬಳಿಕ ಕೊಳಕಾದ ಬಟ್ಟೆಗಳು ಮತ್ತು ಶರೀರದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ತೊಳೆಯಬೇಕು ಉಸಿರಾಟದೊಂದಿಗೆ ಸೇವಿಸಬೇಡಿ, ಹಚ್ಚುತ್ತಿರುವಾಗ ತಿನ್ನುವುದು, ಕುಡಿಯುವುದು, ಧುಮಪಾನ ಸೇವನೆ ಮತ್ತು ತಂಬಾಕು ಜಗೆಯುವಿಕೆ ಮಾಡಬಾರದು.

ವಿಷವೇರಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ಭಯಗೊಳ್ಳುವಿಕೆ, ಉದ್ವೇಗ, ನಡುಕ, ಸೆಳೆತ, ಅಲರ್ಜಿ ಉಂಟಾಗುವಿಕೆ, ಆಲಸ್ಯ, ಮೂಗು ಸೋರುವಿಕೆ, ಜೊಲ್ಲು ಸುರಿಸುವುದು, ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ, ಚರ್ಮ ಮತ್ತು ಕಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಕಿರಿಕಿರಿ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸಾ ಕ್ರಮಗಳು: ಸೇವಿಸಿದಲ್ಲಿ; ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ಪ್ರಜ್ಞೆಯಿದ್ದು ಎಚ್ಚರವಿದ್ದಲ್ಲಿ, ಬಾಯಿಯನ್ನು ನೀರು ಹಾಕಿ ತೊಳೆಯಿರಿ ಮತ್ತು 1 ಅಥವಾ 2 ಗ್ಲಾಸ್ ನೀರನ್ನು ಕುಡಿಯಲು ಕೊಡಿ. ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ಬಾಯಿ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲು ಕೊಡಬೇಡಿ. ವೈದ್ಯರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ. ವೈದ್ಯರು ಹೇಳದ ಹೊರತಾಗಿ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬೇಡಿ. **ಉಸಿರಾಡಿದಲ್ಲಿ;** ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಗಾಳಿ ಬೀಸುವೆಡೆ ಕರೆದೊಯ್ಯಿರಿ ಮತ್ತು ದೇಹದ ಉಷ್ಣತೆ ಕಾಪಾಡಿ. ರೋಗಿ ಉಸಿರಾಡುತ್ತಿಲ್ಲದೆ ಇದ್ದಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಉಸಿರಾಡುತ್ತಿದ್ದಲ್ಲಿ ಕೃತಕ ಉಸಿರಾಟ ಕೊಡಿ. ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಬಾಯಿಂದ ಬಾಯಿಗೆ ಉಸಿರಾಟ ನೀಡಿ. ವೈದ್ಯರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ. **ಚರ್ಮದ ಸಂಪರ್ಕವಾದಲ್ಲಿ;** ದೇಹದಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕಗೊಂಡಿರುವ ಭಾಗವನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರು ಹರಿಸಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಕೂದಲುಗಳು ಮತ್ತು ಬೆರಳಿನ ಉಗುರುಗಳ ಅಡಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ನೋವಿನಿಂದ ಕೆಂಪಾಗುವುದು ಅಥವಾ ಉರಿ ನಿರಂತರವಾಗಿ ಇದ್ದಲ್ಲಿ, ವೈದ್ಯರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ. ಎಲ್ಲಾ ಮಲಿನಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿರಿಸಿ ಮತ್ತು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ನೀರು ಬಳಸಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆದ ನಂತರ ಮರುಬಳಕೆ ಮಾಡಿ. **ಕಣ್ಣಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾದಲ್ಲಿ;** 15 ನಿಮಿಷಗಳ ಕಾಲ ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರು ಹರಿಸಿ ನಿಧಾನವಾಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ನೋವಿನ ಉರಿ, ಕೆಂಪಾಗುವುದು ಅಥವಾ ಫೋಟೋಫೋಬಿಯಾ ಮುಂದುವರಿದಲ್ಲಿ, ಕಣ್ಣಿನ ವಿಶೇಷಜ್ಞರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.

ಪ್ರತೌಷಧ: ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಿಷ್ಟ ಪ್ರತೌಷಧ ಕಂಡು ಬಂದಿಲ್ಲ, ಆದ್ದರಿಂದ ರೋಗಲಕ್ಷಣಕ್ಕೆ ಅನುಕೂಲಕರ ಮತ್ತು ಪೂರಕ ಚಿಕಿತ್ಸೆಯನ್ನು ನೀಡಬೇಕು.

ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ: 1. ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಪುಡಿ ಪುಡಿ ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಜನವಸತಿಗಿಂತ ದೂರದಲ್ಲಿ ಹುಗಿದು ಹಾಕಬೇಕು. 2. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಡಬ್ಬಿಗಳು ಅಥವಾ ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ಗಳನ್ನು ಮರು-ಬಳಕೆ ಆಗದಂತೆ ತಪ್ಪಿಸುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಅವುಗಳನ್ನು ಹಾಗೆಯೇ ಹೊರಗೆ ಬಿಡಬಾರದು. 3. ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ ಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಬಾಕಿ ಉಳಿದ ಔಷಧಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಮೆಷಿನ್ ನಿಂದ ತೊಳೆದ ನೀರನ್ನು ಯಾವುದೇ ಜಲ ಮಾಲಿನ್ಯ ಅಥವಾ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯ ಉಂಟಾಗದ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಸುರಕ್ಷಿತವಾಗಿ ವಿಲೇವಾರಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ದಾಸ್ತಾನು ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳು : 1. ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುವ ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ಗಳು ಇತರ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಸೇರಿದಂತೆ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ದಾಸ್ತಾನು ಇರಿಸುವ ಕೊಠಡಿ ಅಥವಾ ಆವರಣದಿಂದ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾದ ಕೊಠಡಿ ಅಥವಾ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಔಷಧಗಳ ಸ್ವರೂಪ ಮತ್ತು ಪ್ರಮಾಣಕ್ಕೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾದ ಕಪಾಟಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಇರಿಸಬೇಕು. 2. ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ದಾಸ್ತಾನು ಇರಿಸುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಲಾಗುವ ಕೊಠಡಿ ಅಥವಾ ಆವರಣವನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ಮಿಸಿರಬೇಕು, ಗಾಳಿ-ಬೆಳಕು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬರುವಂತಿರಬೇಕು ಹಾಗೂ ಆವಿಯು ತಕ್ಷಣವೇ ಹೊರಗೆ ಹೋಗುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಸಾಕಷ್ಟು ಉದ್ದಗಲ ಹೊಂದಿರಬೇಕು ಆವಿಯೊಂದಿಗೆ ಕೊಳಕಾಗುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:

ಫೆನೋಕ್ಸಾನಿಲ್ ಎ.ಐ. ಕಂಟೆಂಟ್	: 5.00% ತೂ/ತೂ
ಐಸೋಪ್ರೊಥಿಲೇನ್ ಎ.ಐ. ಕಂಟೆಂಟ್	: 30.00% ತೂ/ತೂ
ಸೈಕ್ಲೋಹೆಕ್ಸಾನೋನ್	18.00% ತೂ/ತೂ
ಇಪಾಕ್ಸಿಡೈಸ್ ಮಾಡಲಾದ ಸೋಯಾಬೀನ್ ಎಣ್ಣೆ	: 0.40% ತೂ/ತೂ
ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯಂ ಡೋಡೆಸಿಲ್ ಬೆಂಜೀನ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್	: 3.5% ತೂ/ತೂ
ಎಥಾಕ್ಸಿಲೇಟೆಡ್ ಪ್ರೊಪೊಕ್ಸಿಲೇಟೆಡ್ ಪಾಲಿಅರಿಲ್ ಫೆನಾಲ್	: 6.5% ತೂ/ತೂ
ಸಾಲ್ವೆಂಟ್ ನ್ಯಾಪ್ಥ	: ಕ್ಯೂ.ಎಸ್%
ಒಟ್ಟು	: 100.00% ತೂ/ತೂ

ಎಚ್ಚರಿಕೆಯ ಹೇಳಿಕೆಗಳು: 1. ಈ ಲೇಬಲ್/ಭಿತ್ತಿಪತ್ರದಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತು ಪಡಿಸಿ ಬೇರೆಯದ್ದರ ಮೇಲೆ ಉಪಯೋಗಿಸಬಾರದು. 2. ಭಿತ್ತಿಪತ್ರದಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವಂತೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಬಳಿಕ ಟ್ಯೂಬನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಬೇಕು. 3. ಉತ್ಪನ್ನವು ಮೀನು ಮತ್ತು ಜಲಚರ ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿಯಾಗಿರಬಹುದು, ಆದ್ದರಿಂದ ಇದನ್ನು ಜಲಕೃಷಿಯಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಸುತ್ತಮುತ್ತಲು ಬಳಸಬಾರದು ಮತ್ತು ಉತ್ಪನ್ನವು ಕಣ್ಣಿಗೆ ಕಿರಿಕಿರಿ ಉಂಟುಮಾಡುತ್ತದೆ.

"ಜೇನು ನೊಣಗಳಂತಹ ಲಾಭದಾಯಕ ಕೀಟಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ಪ್ರಾಕೃತಿಕ ಶತ್ರುಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗುವುದನ್ನು ತಡೆಯಲು"

MALAYALAM

ബോനോസ്

ഫെനോക് സാനിൽ 5% + ഐസൊപ്രോഥിയോലേൻ 30% ഇസി
(ആന്തരപ്രവാഹ കുമിൾനാശിനി)

ഉപയോഗിക്കുന്നതിന് മുമ്പ് ലഘുലേഖ വായിക്കുക

ഫെനോക് സാനിൽ 5% + ഐസൊപ്രോഥിയോലേൻ 30% ഇസി നെല്ലിലെ ഇലവാട്ടവും കഴുത്തുവാട്ടവും നിയന്ത്രിക്കുന്നതിന് ഉപയോഗിക്കുന്ന ഒരു പ്രി - മിക് സ് ചർ ആന്തരപ്രവാഹ കുമിൾനാശിനിയാണ്.

ശുപാർശാ വിവരങ്ങൾ:

വിള(കൾ)	കീടത്തിന്റെ സാധാരണ പേര്	ഡോസേജ്/ഹെ		വെള്ളത്തിൽ നേർപ്പിക്കൽ (മില്ലി)	അവസാന തളിക്കലിനും വിളവിനും ഇടയിൽ കാത്തിരുപ്പ് കാലാവധി (ദിവസം)	ഓരോ പ്രയോഗത്തിനും ശേഷം പുനഃപ്രവേശനം (മണിക്കൂറിൽ)
		സഘ (ഗ്രാം)	രൂപീകരണം (ഗ്രാം)			
നെല്ല്	ഇല വാട്ടം, കഴുത്തു വാട്ടം	ഫെനോക് സാനിൽ: 50 & ഐസൊപ്രോഥിയോലേൻ: 300	1000	500	20	-

ഉപയോഗ നിർദ്ദേശം: ശുപാർശ ചെയ്ത ഡോസ് ഉപയോഗിക്കുക. ആവശ്യമായ അളവ് വെള്ളത്തിൽ ഈ രൂപീകരണം നേർപ്പിക്കുക.

പുനഃപ്രവേശന കാലാവധി: 24 മണിക്കൂർ.

പ്രയോഗ സമയം:
പ്രയോഗ രീതിയും സമയവും: രാവിലെയും വൈകുന്നേരവ പ്രയോഗിക്കുന്നതാണ് അഭികാമ്യം.
സാഹചര്യങ്ങൾ പൊതുവിൽ: രാവിലെയും വൈകുന്നേരവും പ്രയോഗിക്കുന്നതാണ് അഭികാമ്യം.
വിളവെടുപ്പ് ഘട്ടം: തൈകൾ മുതൽ പാകമാകുന്ന ഘട്ടം വരെ.
സ്പ്രേകളുടെ എണ്ണം ഉൾപ്പെടെയുള്ള ആവൃത്തി: രോഗ സമ്മർദ്ദത്തെ ആശ്രയിച്ച് 2-3 ഇലകളിൽ സ്പ്രേകൾ.
പ്രാണിനാശിനി പ്രയോഗിക്കാൻ പാടില്ലാത്ത ഘട്ടങ്ങൾ: വിളവെടുപ്പ് ഘട്ടത്തിലേക്കുള്ള പക്വത
പ്രയോഗ സമ്പ്രദായങ്ങൾ: ഉയർന്ന അളവിലുള്ള സ്പ്രേയറുകൾ ഉപയോഗിച്ച് ഇലകളിൽ തളിക്കുക
പ്രയോഗ സമ്പ്രദായങ്ങൾ: ഉചിതമായ നോസൽ ഘടിപ്പിച്ച ഒരു നാപ്സാക് സ്പ്രേയർ ഉപയോഗിച്ച് ഈ പ്രാണിനാശിനി തളിക്കുക.
സസ്യ വിഷതാം: ശുപാർശ ചെയ്യപ്പെട്ട ഡോസിൽ ഉപയോഗിക്കപ്പെടുമ്പോൾ സസ്യവിഷതാമുള്ളതല്ല.
നോസിൽ ടൈപ്പ്: ഹോളോ കോൺ നോസിൽ.

മുൻകരുതലുകൾ: മിശ്രണം ചെയ്യുമ്പോഴും തളിക്കുമ്പോഴും നീളൻ കയ്യുള്ള ഷർട്ട്, തൊപ്പി, രാസ പ്രതിരോധമുള്ള കയ്യുറകൾ പോലെ സംരക്ഷണം നൽകുന്ന വേഷം ഉപയോഗിക്കുക. മൂടുന്ന പാദരക്ഷകൾ ഉപയോഗിക്കുക (ബൂട്സ് അല്ലെങ്കിൽ മുഴുവനും ആവരണം ചെയ്യുന്ന ഷൂസ്). മുഖ കവചം. ഗോഗൾസ് അല്ലെങ്കിൽ സുരക്ഷാ കണ്ണട പോലെയുള്ള നേത്രകവചം ധരിക്കുക. ചർമ്മവും കണ്ണുമായുള്ള സമ്പർക്കം ഒഴിവാക്കുക. പ്രയോഗത്തിനു ശേഷം മലിനമായ വസ്ത്രങ്ങളും ശരീരഭാഗങ്ങളും കഴുകണം. ശ്വസിക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കണം. പ്രയോഗിക്കുന്ന സമയത്ത് പുകവലിക്കുകയോ എന്തെങ്കിലും കുടിക്കുകയോ തിന്നുകയോ ചവയ്ക്കുകയോ അരുത്.

വിഷബാധയുടെ ലക്ഷണങ്ങൾ: പരിഭ്രമം, ഉത്കണ്ഠ, വിറയൽ, ഞരമ്പു വലിവ്, അലർജി പ്രകടമാകൽ എന്നിവ, ആലസ്യം, മൂക്കൊലിപ്പ്, ഉമിനീരൊഴുകൽ, ശ്വസനവിഷമത, ചർമ്മത്തിനും കണ്ണുകൾക്കും അസ്വസ്ഥത ഉണ്ടായേക്കാം.

പ്രഥമ ശുശ്രൂഷാ നടപടികൾ: ഉള്ളിലാക്കിയാൽ: വ്യക്തിക്ക് ബോധവും ജാഗ്രതയുമുണ്ടെങ്കിൽ, വെള്ളം കൊണ്ട് വായ കുലുക്കുഴിയിച്ച് 1 അല്ലെങ്കിൽ 2 ഗ്ലാസ് വെള്ളം കുടിക്കാൻ കൊടുക്കുക. അബോധാവസ്ഥയിലുള്ള ഒരാളിന് ഒരിക്കലും യാതൊന്നും വായിലൂടെ കൊടുക്കരുത്. ഡോക്ടറെ വിളിക്കണം. ചികിത്സിക്കുന്ന ഫിസിഷ്യൻ ആവശ്യപ്പെടാത്ത പക്ഷം ഛർദ്ദിക്കാൻ പ്രേരിപ്പിക്കരുത്. **ശ്വസിച്ചാൽ:** രോഗിയെ ശുദ്ധവായു കിട്ടുന്നിടത്ത് എത്തിച്ച് ശരീരത്തിന്റെ താപനില താഴാതെ ശ്രദ്ധിക്കണം. രോഗി ശ്വസിക്കുന്നില്ലെങ്കിൽ അഥവാ ശ്വസനം ബുദ്ധിമുട്ടുള്ളതാണങ്കിൽ, കൃത്രിമ ശ്വാസം നൽകണം, വായുമായി വായ ചേർത്തുവച്ച് ശ്വാ,സം നൽകുന്നതാണ് അഭികാമ്യം. ഫിസിഷ്യന്റെ ഉപദേശം തേടണം. **ചർമ്മ സമ്പർക്കമുണ്ടായാൽ:** ബാധിക്കപ്പെട്ട ശ്രീരഭാഗം സോപ്പും ധാരാളം വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി കഴുകണം, അതിൽ രോമവും വിരലിലെ നഖങ്ങളുടെ ഉൾഭാഗവും വരെ ഉൾപ്പെടുത്തണം. വേദന, ചുവന്ന നിറം അല്ലെങ്കിൽ അസ്വസ്ഥത നിലനിന്നാൽ, ഒരു ഡോക്ടറുടെ ഉപദേശം തേടണം. മലിനമായ എല്ലാ വസ്ത്രങ്ങളും വേർതിരിച്ച് വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കുന്നതിനു മുൻപ് സോപ്പും വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി കഴുകണം. **കണ്ണുകളിൽ പുരണ്ടാ** ചുരുങ്ങിയത് 15 മനിറ്റ് സമയത്തേക്ക് ധാരാളം വെള്ളമുപയോഗിച്ച് സൗമ്യമായി ഉരച്ചു കഴുകണം. വേദന, ചുവപ്പുനിറം അല്ലെങ്കിൽ പ്രകാശം കാണുമ്പോഴുള്ള ഭയം നിലനിൽക്കുന്നെങ്കിൽ, നേത്രരോഗവിദഗ്ധനെ കാണിക്കണം.

മറുമരുന്ന്: അറിയപ്പെടുന്ന എന്തെങ്കിലും നിർദ്ദിഷ്ട മറുമരുന്നില്ല. അതിനാൽ, ലക്ഷണമനുസരിച്ചുള്ള സഹായക ചികിത്സ നൽകേണ്ടതാണ്.

ഉപയോഗം കഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നർ നശിപ്പിക്കൽ: 1. ഒഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നറുകൾ തകർത്ത് ജനവാസമില്ലാത്ത പ്രദേശങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെയായി കുഴിച്ചുമൂടണം. 2. ഉപയോഗം കഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നറുകൾ അഥവാ പാക്കേജുകൾ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കപ്പെടുന്നതു തടയുന്നതിനായി അവ പുറമെ ഉപേക്ഷിക്കരുത്. 3. പരിസ്ഥിതിയും വെള്ളവും മലിനമാകുന്നത് തടയുന്നതിന് സുരക്ഷിതമായ വിധത്തിലായിരിക്കണം പാക്കേജുകൾ അല്ലെങ്കിൽ മിച്ചമുള്ള പദാർത്ഥവും കഴുകിയ വെള്ളവും നശിപ്പിക്കുന്നത്.

സ്റ്റോറേജ് സാഹചര്യങ്ങൾ: 1. പ്രാണിനാശിനികളുടെ അളവും സ്വഭാവവും അനുസരിച്ച് പ്രാമിനാശിനികൾ അടങ്ങുന്ന പാക്കേജ് മറ്റു വസ്തുക്കൾ സൂക്ഷിക്കുന്നതിനുപ യോഗിക്കുന്ന മുറികൾ അല്ലെങ്കിൽ പരിസരങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെയായി അല്ലെങ്കിൽ പ്രത്യേകം അലമാരിയിൽ താഴിട്ടു പൂട്ടിയായിരിക്കണം ശേഖരിച്ചു വയ്ക്കുന്നത്. 2. പ്രാണിനാശിനികൾ സൂക്ഷിക്കുന്നതിന് ഉദ്ദേശിക്കുന്ന മുറികൾ അല്ലെങ്കിൽ പരിസരങ്ങൾ ഉറപ്പായി നിർമ്മിച്ചതും വരണ്ടതും നല്ല പ്രകാശമുള്ളതും പര്യാപ്തമായ നീളവും വീതിയും ഉയരവുമുള്ളതുമായിരിക്കണം. നീരാവിയുമായി ചേർന്ന് മലിനമാകുന്നത് തടയുന്നതിന്.

രാസ ഘടന:

ഫെനോക് സാനിൽ സ. ചേ. ഉള്ളടക്കം	: 5.00% ഭാ/ഭാ
ഐസൊപ്രോഥിയോലേൻ സ. ചേ. ഉള്ളടക്കം	: 30.00% ഭാ/ഭാ
സൈക്ലോഹെക് സാനോൻ	: 18.00% ഭാ/ഭാ
ഇപോക് സിഡൈസ്ഡ് സോയാബീൻ എണ്ണ	: 0.40% ഭാ/ഭാ
കാത്സ്യം ഡോഡെസിൽ ബെൻസീൻ സൾഫൊണേറ്റ്	: 3.5% ഭാ/ഭാ
ഡ് പ്രൊപ്പോക് സിലേറ്റഡ്	
പോളിയാറിൽ ഫിനേൻറ്റ	: 6.5% ഭാ/ഭാ
സോൾവന്റ് നാഫ്ത	: ക്യു.എസ് %
ആകെ	: 100.00% ഭാ/ഭാ

മുൻകരുതൽ പ്രസ്താവന: 1. ഈ ലേബലിൽ/ലഘുലേഖയിൽ എടുത്തുപറഞ്ഞിരിക്കുന്നവ ഒഴികെ മറ്റ് വിളകളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്. 2. ലഘുലേഖയിൽ നിർദ്ദേശിച്ചിരിക്കുന്ന വിധത്തിൽ ഉപയോഗത്തിനു ശേഷം കണ്ടെയ്നർ നശിപ്പിക്കണം. 3. ഈ ഉൽപ്പന്നം മത്സ്യത്തിനും നട്ടെല്ലില്ലാത്ത ജലജീവികൾക്കും വിഷകരമാണെന്നു വരാം അതിനാൽ ജലകൃഷി ചെയ്യുന്നിടത്തും അതിനു ചുറ്റും ഇത് ഉപയോഗിക്കരുത് പുറമേ ഈ ഉല്പന്നം കണ്ണുകൾക്ക് അസ്വസ്ഥത ഉണ്ടാക്കുന്നതാണ്.

"തേനീച്ചകളും നൈസർഗ്ഗിക ശത്രുക്കളും പോലെയുള്ള ഉപകരാരപ്രദമായ പ്രാണികളെ ഹനിക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കാൻ കരുതലെടുക്കണം ബെൻസ്"

ASSAMESE

বোনাছ

ফেন’ক্সানিল 5% + আইচ’প্ৰথিলেন 30% ইচি
(চিষ্টেমিক ভেঁকুৰনাশক)

ব্যবহাৰ কৰাৰ পূৰ্বে লিফলেট পঢ়ুন

ফেন’ক্সানিল 5% + ইচ’প্ৰ’থিঅ’লেন 30% ইচি হৈছে ধানৰ পাতত হোৱা ভেঁকুৰ আৰু নেক ব্লাষ্ট নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে ব্যৱহাৰ হোৱা এক পূৰ্বে মিহলি হৈ থকা প্ৰণালীবদ্ধ ভেঁকুৰনাশক।

পৰামৰ্শৰ বিৱৰণঃ

শস্য/ শস্যসমূহ	কীটৰ সাধাৰণ নাম	মাত্ৰা/এইছএ		পানীত মিহলি (লিটাৰ)	শেষবাৰ স্প্ৰে কৰাৰ পৰা শস্য চপোৱালৈ অপেক্ষাৰ সময় (দিনত)	প্ৰতিবাৰ প্ৰয়োগৰ পিছত পুনৰ-ওলোৱা (ঘন্টাত)
		এ.আই. (জি)	প্ৰস্তুতকৰণ (মি.লি.)			
ধান	লিফ ব্লাষ্ট, নেক ব্লাষ্ট	ফেন’ক্সানিলঃ 50 আৰু ইচ’প্ৰ’থিঅ’লেনঃ300	1000	500	20	-

ব্যৱহাৰৰ নিৰ্দেশঃ পৰামৰ্শ কৰা মাত্ৰা প্ৰয়োগ কৰিব। প্ৰয়োজনীয় মাত্ৰাৰ প্ৰস্তুতি পানীত পাতল কৰক।

পুনৰ প্ৰৱেশৰ সময়ঃ 24 ঘন্টা।

প্ৰয়োগৰ সময়ঃ
ব্যৱহাৰৰ নিৰ্দেশঃ ৰাতিপুৱা বা গধূলি প্ৰয়োগ কৰিলে ভাল।
বতৰৰ অৱস্থা: বৰষুণ, বতাহ আৰু গৰম ৰ’দঘাই সময়ত স্প্ৰে’ নকৰিব
প্ৰয়োগৰ বাবে শস্যৰ পৰ্যায়ঃ পুলিৰ পৰা পৰিপক্কতাৰ পৰ্যায়লৈকে।
স্প্ৰেৰ সংখ্যাকে ধৰি কম্পাঙ্ক: ৰোগৰ চাপৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি ২-৩টা পত্ৰ স্প্ৰে।
যিবোৰ পৰ্যায়ত শস্যত কীটনাশক স্প্ৰে’ কৰিব নালাগে: শস্য চপোৱাৰ পৰ্যায়লৈকে পৰিপক্কতা
প্ৰয়োগৰ কৌশল: উচ্চ আয়তনৰ স্প্ৰেয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰি পত্ৰত স্প্ৰে কৰা।
সঁজুলিৰ ধৰণ: কম্প্ৰেছন নেপচেক স্প্ৰেয়াৰ, ফুট স্প্ৰেয়াৰ, হাই এণ্ড কম ভলিউম স্প্ৰেয়াৰ বা বেটাৰ অপাৰেটেড স্প্ৰেয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰক।
ফাইটোটক্সিচিটি : ফেন’ক্সেনিল ৫% আইছ’প্ৰ’থাইঅ’লেন ৩০% ইচি পৰামৰ্শ অনুসৰি ব্যৱহাৰ কৰিলে ফাইটোটক্সিক নহয়
নজেলৰ ধৰণ: ফুটা শঙ্কু নজেল

সাৱধানতাঃ মিহলি আৰু স্প্ৰে কৰোঁতে সুৰক্ষিত পোছাক যেনে পূৰা হাতৰ ছাৰ্ট টুপী আৰু ৰাসায়নিক প্ৰতিৰোধী হাতমোজা ব্যৱহাৰ কৰিব। ঢাক খাই থকা জোতা পিন্ধিব (বুট বা ঢাক খাই থকা জোতা)। চকুৰ সুৰক্ষা যেনে ফেচ শ্বিল্ড, গাগলচ বা ছেফটি গ্লাছ পিন্ধিব। ছাল বা চকুৰ সৈতে সংস্পৰ্শলৈ আহিবলৈ নিদিব। প্ৰয়োগ কৰাৰ পিছত মিশ্ৰণ লগা কাপোৰ আৰু শৰীৰৰ অংশ ভালদৰে ধুই পেলাব। প্ৰয়োগৰ সময়ত নিশ্বাসত ভিতৰলৈ যোৱাৰ পৰা সাৱধানে থাকিব, ধূমপান নহয়, সুৰাপান বা যিকোনো বস্তু নাখাব আৰু নোচোবাব।

বিষৰ লক্ষণঃ বিব্ৰত অৱস্থা, উদ্বিগ্নতা, কপঁনি উঠা, সিৰামূৰী, এলাৰ্জি হোৱা, অলসতা, নাকৰ পানী ওলোৱা, লেলাৰতি, উশাহ-নিশাহ লোৱাত কষ্ট হোৱা, ছাল আৰু চকু জ্বলা-পোৰা কৰা।

প্ৰাথমিক চিকিৎসাঃ যদি সেৱন কৰেঃ যদি ব্যক্তি গৰাকী চেতন অৱস্থাত আৰু সতৰ্ক হৈ থাকে তেন্তে মুখখনত পানী মাৰক আৰু 1 গিলাছ বা 2 গিলাছ পানী খাবলৈ দিয়ক। অচেতন ব্যক্তি এজনক কেতিয়াও মুখত একো নিদিব। চিকিৎসকক ফোন কৰক। ঘৰলৈ অহা চিকিৎসকে নোকোৱালৈকে জোৰ কৰি বমি নকৰাব। **যদি উশাহত ভিতৰলৈ যায়ঃ** ৰোগীক মুকলি বতাহ বলা ঠাইলৈ লৈ যাওঁক আৰু শৰীৰৰ উষ্ণতাৰ খেয়াল ৰাখক। যদি ৰোগীয়ে উশাহ লোৱা নাই বা উশাহ লোৱাত অসুবিধা হৈছে তেন্তে কৃত্ৰিম ভাবে শ্বসন দিয়াওক, বিশেষকৈ মুখেৰে মুখৰ উশাহ দিবলৈ চেষ্টা কৰক। চিকিৎসকৰ পৰামৰ্শ লওঁক। **ছালৰ সংস্পৰ্শলৈ আহিলেঃ** চাবোন আৰু পৰ্যাপ্ত পৰিমাণৰ পানীৰে ভালদৰে ধুই পেলাব। যদি বিষ হয়, ৰঙা পৰে বা জ্বলা-পোৰা হৈ থাকে, চিকিৎসকৰ পৰামৰ্শ লওঁক। মিশ্ৰণ লগা সকলো কাপোৰ পৃথক কৰিব লাগে আৰু ব্যৱহাৰ কৰাৰ আগতে বেলেগে চাবোন আৰু পানীৰে ধুব লাগে। **চকুৰ সংস্পৰ্শলৈ আহিলেঃ** অন্ততঃ 15 মিনিটৰ বাবে পৰ্যাপ্ত পানীৰে লাহে লাহে ধুই পেলাওক। যদি বিষ, জ্বলা-পোৰা, ৰঙা পৰা বা ফটোফোবিয়া অব্যাহত থাকে, তেন্তে বিশেষজ্ঞৰ পৰামৰ্শ লওঁক।

প্ৰতিষেধকঃ ইয়াৰ কোনো নিৰ্দিষ্ট প্ৰতিষেধক নাই, লক্ষণ অনুসৰি চিকিৎসা কৰক।

ব্যৱহৃত টেমাসমূহ নষ্ট কৰকঃ 1. পৰিৱেশ বা পানীৰ প্ৰদূষণ ৰোধ কৰাৰ বাবে পেকেজ বা অতিৰিক্ত সামগ্ৰীসমূহ সুৰক্ষিত ভাৱে নিষ্কাশন কৰাটো কীটনাশক আৰু নিৰ্মাণ তথা প্ৰস্তুতকৰ্তাসকলৰ কৰ্তব্য। 2. ব্যৱহৃত পেকেজবোৰ পুনৰ ব্যৱহাৰ নকৰিবৰ বাবে বাহিৰত পেলাই থোৱা অনুচিত। 3. পেকেজসমূহ জনবসতিৰ পৰা দূৰত ভাঙি পুতি পেলোৱা উচিত।

সংৰক্ষণঃ 1. ভেঁকুৰনাশক থকা পেকেজবোৰ অন্যান্য সামগ্ৰী সংৰক্ষণৰ বাবে ব্যৱহৃত কোঠা বা চৌহদৰ পৰা আঁতৰত পৃথক কোঠাত বা চৌহদত সংৰক্ষণ কৰা উচিত বা ভেঁকুৰনাশকৰ পৰিমাণ আৰু প্ৰকৃতিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পৃথক আলমাৰিত তলা-চাবি মাৰি ৰখা উচিত। 2. ষ্টৰ ৰুমটো ভালদৰে নিৰ্মিত, বতাহ চলাচল কৰা আৰু আহল-বহল হোৱা উচিত। কোঠাটোৰ শুকান আৰু ঠাণ্ডা হোৱা উচিত।

ৰাসায়নিক সমিকৰণঃ

ফেন’ক্সানিল এ.আই. সামগ্ৰী	5.00% ভৰ/ভৰ
ইছ’প্ৰথিঅ’লেন এ.আই. সামগ্ৰী	30.00% ভৰ/ভৰ
চাইক্ল’হেক্সান’ন	18.00% ভৰ/ভৰ
এপক্সাইডাইজড ছয়াবিন তেল	0.40% ভৰ/ভৰ
কেলচিয়াম ড’ডেচাইল বেঞ্জিন ছালফ’নেট	3.5% ভৰ/ভৰ
ইথক্সিলেটেড প্ৰপক্সিলেটেড পলিয়েৰিল ফেনল	6.5% ভৰ/ভৰ
ছলভেণ্ট নেফথা	কিউ. এছ. % ভৰ/ভ
মুঠ	100.00% ভৰ/ভৰ

সতৰ্কতামূলক বিবৃতিঃ 1. লেবেল আৰু লিফলেটত প্ৰদান কৰা নিৰ্দেশৰ বাহিৰে আন কোনো উদ্দেশ্যত ব্যৱহাৰ কৰিব নালাগে। 2. লিফলেটৰ নিৰ্দেশনা অনুসৰি ব্যৱহাৰৰ পিছত পাত্ৰসমূহ ধ্বংস কৰি পেলাব। 3. সামগ্ৰীটো মাছ আৰু অন্য জলজ প্ৰাণীৰ বাবে বিষাক্ত হ’ব পাৰে আৰু সেযেহে মীন পালনৰ আশে-পাশে ব্যৱহাৰ কৰা উচিত নহয় আৰু সামগ্ৰীটো চকুৰ বাবে অপকাৰী।

"মৌমাখি আৰু কীট-পতংগৰ প্ৰাকৃতিক শত্ৰুৰ দৰে উপকাৰী পোক-পৰুৱাৰ ক্ষতিৰ পৰা হাত সাৰিবলৈ সাৱধানতা অৱলম্বন কৰিব লাগিব”

READ INSTRUCTIONS BEFORE USE
उपयोग से पहले सूचना पत्रिका पढ़ें

BONAS®

FENOXANIL 5% + ISOPROTHIOLANE 30% EC
(SYSTEMIC FUNGICIDE)

बोनस

फेनोकसानिल ५%+अईसोप्रोथायोलेन ३०% ई सी
(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

బోనస్

ఫెనొక్సానిల్ 5% + ఐసొప్రొథలీన్ 30% ఇసి
(అంతర్వాహిక శిలీంధ్రనాశిని)

FOR AGRICULTURAL USE ONLY.
केवल कृषि उद्देश्यों के लिए।
వ్యవసాయ వినియోగానికి మాత్రమే
फक्त कृषी उद्देशांसाठी
ಕೃಷಿ ಉದ್ದೇಶಗಳಿಗಾಗಿ ಮಾತ್ರ.
માત્ર કૃષિ હેતુ માટે.
শুধুমাত্র কৃষি কাজের জন্য।
କେବଳ କୃଷି ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ପାଇଁ ।
കാർഷിക ആവശ്യങ്ങൾക്ക് മാത്രം.
ਸਿਰਫ਼ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਲਈ।
வேளாண் தேவைகளுக்கென மட்டுமே.

Manufactured by:
NICHINO INDIA PRIVATE LIMITED
Registered Office : A-24/25, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500037, Telangana, India.
उत्पादक कर्ता : **निचिनो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**
पंजीकृत कार्यालय: ए-24/25, एपीआईई, बालानगर, हैदराबाद - 500037, तेलंगाणा, भारत.

CODE	MANUFACTURING SITE ADDRESS	MFG.LIC.NO.
B	**Unit 1** - A-24/25, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500037, Telangana, India.	036/TS-IML/2017
J	**Unit 2** - Lane-IV A, Phase-II, SIDCO Industrial Complex, Bari Brahmana, District Samba (J&K) - 181133, India.	J/M-Pvt/27 Dt. 01/02/2006
First letter of Batch Number indicates code provided in above table to know Manufacturing Site address.		

Marketed by : **Godrej Agrovet Limited,**
Godrej One, 3rd Floor, Pirojshanagar, Vikhroli (East),
Eastern Express Highway, Mumbai - 400 079

विपणन कर्ता : गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड,
गोदरेज वन, तिसरा माला, पिरोजशानगर, इस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे,
विक्रोली (पूर्व), मुंबई - ४०० ०७९

"In case of complaints, please contact our customer service executive at the Registered Office address of the Marketer or email at **gavlho@godrejagrovet.com or call us at 022-25194491**"
शिकायत होने पर कृपया संपर्क करें कस्टमर केअर एक्सिक्यूटिव पंजीकृत कार्यालयविपणक का पता या ईमेल पते पर
gavlho@godrejagrovet.com या हमें फ़ोन 022-25194491 करें!
(Call between 9:30 am - 5:30 pm, Mon - Fri,Business Days)
Website/वेबसाईट :WWW.godrejagrovet.com

Regn.No./रजिस्ट्रेशन नं.: CIR-333626/2023-FENOXANIL+ISOPROTHIOLANE (EC)(445)-14

KEEP OUT OF REACH OF CHILDREN
बच्चों की पहुंच से दूर रखें। పిల్లలకు దూరంగా వుంచండి.
लहान मुलांच्या हाती लागणार नाही अशा ठिकाणी ठेवा.
ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಎಟುಕದಂತೆ ದೂರದಲ್ಲಿರಿಸಬೇಕು.
બાળકોની પહોંચથી દૂર રાખો. ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪਹੁੰਚ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ।
শিশুদের হাতের নাগালের বাইরে রাখুন।

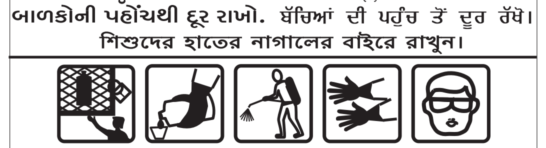

IF SWALLOWED, OR IF, SYMPTOMS OF POISONING OCCUR CALL PHYSICIAN IMMEDIATELY
निगले जाने अथवा जहर के लक्षण दिखने पर तुरन्त डॉक्टर को बुलाएँ
KEEP IN COOL, DRY PLACE AWAY FROM HEAT AND OPEN FLAME
सूखी और ठंडी जगह पर और आग से दूर रखें